RNI No. DLHIN/25/A2321

DD

दिव्य दिल्ली

दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

वर्षः 01, अंकः 21, पृष्ठः 08

infodivyadelhi@gmail.com

सोमवार, 29 सितम्बर, 2025 तदनुसार 19 भाद्रपद विक्रमी सम्वत 2082 | www.divyadelhi.com | facebook.com/divyadelhi तापमान अधिकतम 30 डिग्री न्यूनतम 25 डिग्री सूर्योदय 05.25 | सूर्यास्त 06.50

मन की बातः पीएम की त्योहारों में स्वदेशी खरीदने की अपील

मन की बात' में बोले पीएम मोदी-'छठ को यूनेस्को की धरोहर में शामिल कराने का प्रयास'

नई दिल्ली
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज 'मन की बात' में कहा कि छठ महापर्व भारतीय संस्कृति की गहरी आस्था और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है। यह पर्व अब वैश्विक स्तर पर भी पहचान बना रहा है। उन्होंने बताया कि भारत सरकार इसे यूनेस्को की 'इनटेंजिबल कल्चरल हेरिटेज लिस्ट' में शामिल कराने का प्रयास कर रही है, जिससे इसकी गरिमा और बढ़ेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'मन की बात' के 126वें एपिसोड में आज शहीद भगत सिंह और लता मंगेशकर को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने देश में महिला सशक्तिकरण के उदाहरण दिए, सांस्कृतिक धरोहरों को वैश्विक पहचान दिलाने के प्रयासों का उल्लेख किया और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प पर जोर दिया।
उन्होंने देशवासियों को आगामी त्योहारों की शुभकामनाएं दी और इस बात का विशेष उल्लेख किया कि संग अपने 100 वर्ष पूरे करने जा रहा है। प्रधानमंत्री ने रविवार को आकाशवाणी के मासिक कार्यक्रम 'मन की बातह्ण के 125 कड़ियों की यात्रा पार करने का जिक्र किया और कहा कि यह जनता से जुड़ने का प्रेरणादायी माध्यम बन चुका है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 28 सितंबर को दो महान विभूतियों की जयंती है। शहीद भगत सिंह को उन्होंने युवाओं के लिए प्रेरणा बताया और उनके साहसिक पत्र का उल्लेख किया, जिसमें उन्होंने अंग्रेजों से अपने साथ युद्धबंदी जैसा व्यवहार करने का आग्रह किया था। उन्होंने कहा कि भगत सिंह की निर्भीकता और सेवा भावना हर भारतीय को मार्गदर्शन देती है। उन्होंने लता मंगेशकर को भारतीय संस्कृति का अमूल्य स्वर बताया।

मंगेशकर सावरकर से प्रेरित रही

पीएम ने कहा कि उनके गीतों ने देशभक्ति और संवेदनाओं को जीवंत किया। उन्होंने बताया कि लता मंगेशकर से उनका व्यक्तिगत स्नेह रहा और वे हर वर्ष उन्हें राखी भेजती थीं। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि लता मंगेशकर स्वातंत्र्य वीर सावरकर से प्रेरित रही है। उन्होंने कहा, ह्लता दीदी जिन महान विभूतियों से प्रेरित थीं उनमें वीर सावरकर भी एक हैं, जिन्हें वो तात्या कहती थीं। उन्होंने वीर सावरकर जी के कई गीतों को भी अपने सुरों में पिरोया। प्रधानमंत्री ने नवरात्रि के अवसर पर नारी

शक्ति की उपलब्धियों को रेखांकित किया। उन्होंने नौसेना की लेफ्टिनेंट कमांडर दिलना और रूपा के साहसिक "नाविका सागर परिक्रमा" का उल्लेख किया। इन दोनों अधिकारियों ने 238 दिनों तक 47,500 किलोमीटर की समुद्री यात्रा पूरी की। प्रधानमंत्री ने उनके अनुभव सुनाए।

छठ पर्व का महत्व आज वैश्विक स्तर पर

यात्रा में तूफानों का सामना, अत्यधिक तापमान और सीमित संसाधनों के बावजूद धैर्य और टीमवर्क ने हमें सफलता दिलाई। प्रधानमंत्री ने इसे देश की बेटियों के साहस और संकल्प का अद्वितीय उदाहरण बताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत सरकार छठ महापर्व को यूनेस्को की 'इनटेंजिबल कल्चरल हेरिटेज लिस्ट' में शामिल कराने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कोलकाता की दुर्गा पूजा को पहले से इस सूची में शामिल होने का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि छठ पर्व का महत्व आज वैश्विक स्तर पर बढ़ रहा है और यह न केवल भारत में बल्कि पूरी दुनिया में आस्था का प्रतीक बन चुका है। गांधी जयंती का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने स्वदेशी के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों में खादी की बिक्री कई गुना बढ़ी है।

रूस ने कीव पर 568 ड्रोन और 43 मिसाइलों से किया हमला

नई दिल्ली
रूस ने रविवार तड़के कीव और यूक्रेन के अन्य हिस्सों पर सैकड़ों ड्रोन और मिसाइलें दागीं, जिनमें कम से कम चार लोग मारे गए और दर्जनों घायल हुए। यह फुल स्कैल वार के शुरू होने के बाद से राजधानी पर सबसे बड़े हमलों में से एक था। उधर, पोलैंड ने दो दक्षिण-पूर्वी शहरों के पास अपना एयर स्पेस बंद कर दिया और उसकी वायु सेना ने खतरा टलने तक जवाबी कार्रवाई में जेट विमान भेजे।

रूस ने 595 ड्रोन और 48 मिसाइलें दागीं- यूक्रेनी सेना
यूक्रेन की सेना ने कहा कि रूस ने रात भर में 595 ड्रोन और 48 मिसाइलें दागीं और उसकी एयर डिफेंस सिस्टम ने 568 ड्रोन और 43 मिसाइलों को मार गिराया। इसने बताया कि हमले का मुख्य लक्ष्य राजधानी कीव थी। राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने कहा कि 12 घंटे से ज्यादा समय तक चले इस हमले में एक कार्डियोलॉजी क्लिनिक, कारखाने और आवासीय इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं।

यूक्रेन को लंबी दूरी की मिसाइलों से निशाना बनाया- रूस
रूस के रक्षा मंत्रालय ने रविवार को कहा कि उसने यूक्रेन पर लंबी दूरी के हवाई और समुद्री हथियारों और ड्रोन का इस्तेमाल करके हवाई अड्डों सहित सैन्य बुनियादी ढांचे को निशाना बनाकर एक बड़े पैमाने पर हमला किया है।

आई लव मोहम्मद ट्रेंड रोकने की जरूरतः रशीद

लखनऊ
मौलाना खालिद रशीद ने देश के मुसलमानों से अपील जारी करते हुए कहा है कि उन्हें हिंदू भाइयों के त्योहारों में किसी भी तरह की परेशानी पैदा नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हाल ही में रबी उल अव्वल महीने में सबने मोहब्बत का इजहार किया, लेकिन अब एक नई ट्रेंड सामने आ रही है, जिसे रोकने की जरूरत है। बता दें कि 26 सितंबर को आइएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर के ज्ञापन देने की घोषणा पर तमाम लोगों ने शुक्रवार दोपहर नमाज के बाद इस्लामियां मार्केट में इकट्ठा होने की कोशिश की थी।

पीएम मोदी करेंगे दिल्ली भाजपा के नए कार्यालय का उद्घाटन

नई दिल्ली
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को दिल्ली भाजपा के नए कार्यालय का उद्घाटन करेंगे। अब तक पार्टी का प्रदेश कार्यालय 14, पंत मार्ग से संचालित होता था जो सोमवार से पार्टी के राष्ट्रीय कार्यालय के नजदीक दीन दयाल उपाध्याय मार्ग पर स्थानांतरित हो जाएगा। इस अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, अनेक केन्द्रीय मंत्री, दिल्ली सरकार के मंत्री, राष्ट्रीय पदाधिकारी और

दिल्ली के सभी सांसद, विधायक और पार्षद उपस्थित रहेंगे। इस कार्यालय के लिए नींव पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने 9 जून 2023 को रखी थी। लगभग दो वर्ष में तैयार हुए इस कार्यालय से अब दिल्ली भाजपा के कामकाज का संचालन होगा। अब तक पार्टी का कार्यालय 14, पंत मार्ग पर हुआ करता था जहां से पार्टी ने लगभग 35 वर्ष अपनी राजनीतिक गतिविधियों को अंजाम दिया। दिल्ली में पार्टी का पहला प्रादेशिक कार्यालय अजमेरी गेट हुआ करता था, जो बाद में रकाब गंज रोड और अंत में 14, पंत मार्ग पर लाया गया था। अब पार्टी अपने नए पते से संचालित होगी। भाजपा पूरे देश में अपने सांगठनिक जिलों के कार्यालयों का निर्माण करा रही है। इसके अंतर्गत जहां भी भाजपा मजबूत है।

बांद्रा-अमृतसर पश्चिम एक्सप्रेस के डिब्बे एक घंटे के भीतर दो बार हुए अलग

मुंबई
बांद्रा टर्मिनस-अमृतसर पश्चिम एक्सप्रेस के डिब्बे रविवार को एक घंटे के भीतर दो बार अलग हो गए। यह घटनाएं महाराष्ट्र और गुजरात में हुईं। जिससे यात्रियों में दहशत फैल गई। एक ही ट्रेन में दो बार हुई इस तरह की घटना ने सुरक्षा पर सवाल खड़े दिए हैं। अधिकारियों ने बताया कि पहली घटना दोपहर 1:19 बजे वानगांव और दहानू स्टेशनों के बीच और दूसरी दोपहर लगभग 2:10 बजे गुजरात के संजन स्टेशन पर हुई। पश्चिम रेलवे के एक प्रवक्ता ने कहा, किसी भी यात्री को कोई चोट या असुविधा नहीं हुई है और ट्रेन संचालन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। पहली बार डिब्बे अलग होने के बाद ट्रेन को लगभग 25 मिनट रोका गया और डिब्बों को फिर से जोड़ा गया।

बिहार चुनाव और उपचुनाव में तैनात होंगे 320 आईएएस

पर्यवेक्षक आयोग को स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी और समावेशी चुनाव कराने में मदद करते हैं: चुनाव आयोग

नई दिल्ली
चुनाव आयोग (ईसीआई) ने बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव और कुछ राज्यों में उपचुनावों के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षक (सामान्य, पुलिस और व्यय) तैनात करने का फैसला लिया है। आयोग ने विभिन्न राज्यों में सेवाएं दे रहे कुल 470 अधिकारियों को केंद्रीय पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्त करने का फैसला किया है। इनमें भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के 320 अधिकारी, भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के 60 अधिकारी और भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) के 90 अधिकारी शामिल हैं। इसके अलावा, आईआरएएस, आईसीएएस जैसी सेवाओं से अधिकारी इसमें शामिल हैं। आयोग के मुताबिक, ये सभी अधिकारी बिहार में होने वाले विधानसभा आम चुनाव और जम्मू-कश्मीर, राजस्थान, झारखंड, तेलंगाना, पंजाब, मिजोरम और ओडिशा में होने वाले उपचुनावों के लिए नियुक्त किए जा रहे हैं। चुनाव आयोग ने एक प्रेस नोट में बताया, बिहार विधानसभा चुनाव और कुछ राज्यों में उपचुनाव के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षकों (सामान्य, पुलिस और व्यय) की तैनाती होगी। आयोग संविधान के अनुच्छेद 324 और प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 20बी के तहत प्रदत्त शक्तियों

470 अधिकारियों को केंद्रीय पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्त करने का फैसला किया

के तहत निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव की निगरानी के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त करता है। पर्यवेक्षक नियुक्ति से लेकर चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक आयोग की देखरेख, नियंत्रण और अनुशासन में कार्य करते हैं।

'आयोग की आंख और कान होते हैं पर्यवेक्षक'
'पर्यवेक्षक यह सुनिश्चित करने की महत्वपूर्ण और गंभीर जिम्मेदारी निभाते हैं कि चुनाव निष्पक्ष, तटस्थ और विश्वसनीय हों, जो हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था की नींव है। वे आयोग की आंख और कान होते हैं और समय-समय पर रिपोर्ट देते रहते हैं। पर्यवेक्षक आयोग को स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी और समावेशी चुनाव कराने में मदद करते हैं और साथ ही मतदाताओं की जागरूकता और भागीदारी बढ़ाने में योगदान देते हैं।'

करूर में भगदड़: भीड़ प्रबंधन विफल, सख्त नीति जरूरी: थरूर

तिरुवनंतपुरम
तमिलनाडु के करूर में भगदड़ को लेकर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने रविवार को कहा कि यह बहुत ही दुखद और दर्दनाक स्थिति है। उन्होंने कहा, हमारे देश में भीड़ प्रबंधन में कुछ गड़बड़ है। हर साल कोई न कोई घटना होती ही रहती है। हमें बंगलूरू की घटना भी याद है। जब हम इन भगदड़ों में बच्चों के मारे जाने की खबर सुनते हैं तो बहुत दुख होता है। सवाल यह है कि हम आम लोगों की सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय स्तर पर एक संगठित नीति बनाने के लिए क्या कर सकते हैं। थरूर ने कहा, लोग किसी

राजनेता, फिल्म स्टार या क्रिकेटरों को सुनने के लिए जाते हैं। मूल बात यह होनी चाहिए कि कुछ नियम, मानक और प्रोटोकॉल होने चाहिए। मैं केंद्र और सभी राज्य सरकारों से आग्रह करता हूं कि वे किसी भी परिस्थिति में सभी बड़ी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए बहुत सख्त

आरबीआई की अगली मौद्रिक नीति समिति की बैठक एक अक्तूबर को

नई दिल्ली
रेपो रेट को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की अगली बैठक एक अक्तूबर को होगी। माना जा रहा है कि इस बैठक में रेपो रेट को लेकर बड़ा फैसला लिया जा सकता है। इस बार एसबीआई की एक रिपोर्ट ने 25 बेसिस पॉइंट्स (बीपीएस) की कटौती का सुझाव दिया है, जबकि कुछ विशेषज्ञ मानते हैं कि आरबीआई मौजूदा रेट को बरकरार रख सकता है। इस साल फरवरी से

अगस्त तक आरबीआई ने तीन बार मिलाकर कुल 100 बेसिस पॉइंट की कटौती की है, क्योंकि महंगाई दर कम हो रही है। अगस्त में आरबीआई ने एक बार फिर रेट में कोई बदलाव नहीं किया था और अमेरिकी टैरिफ और वैश्विक तनावों का असर देखने की नीति अपनाई थी।

क्या कहती एसबीआई रिपोर्ट?
एसबीआई की रिपोर्ट कहती है कि खुदरा महंगाई अगले वित्त वर्ष भी कम रहने की उम्मीद है, इसलिए 25 बीपीएस की कटौती सही कदम होगा। वहीं, बैंक ऑफ बड़ौदा के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस का कहना है कि फिलहाल रेट में बदलाव की संभावना कम है और सरकार के निर्यातकों के लिए कोई पैकेज आने पर ही कटौती हो सकती

सोनम वांगचुक की पत्नी ने पाक लिंक के आरोपों को किया खारिज

लेह
सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि अंगमो ने उनके खिलाफ लगाए गए पाकिस्तान लिंक और वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों को पूरी तरह खारिज किया है। उन्होंने वांगचुक पर हिंसा भड़काने के आरोप को गलत बताते हुए कहा कि वह हमेशा गांधीवादी तरीके से शांतिपूर्ण विरोध करते रहे हैं और 24 सितंबर को हिंसा सीआरपीएफ के कदमों की वजह से भड़क उठी। सोनम वांगचुक को चार सितंबर को लद्दाख में छठी अनुसूची और स्टैट्हुड की मांग को लेकर हुए प्रदर्शन के बाद एनएसए के तहत गिरफ्तार किया गया है। इस हिंसा में चार लोग मारे गए और 90 से अधिक घायल हुए थे। वांगचुक को राजस्थान के जोधपुर जेल में रखा गया है। गीतांजलि ने पीटीआई से फोन पर बातचीत में कहा कि गिरफ्तारी के बाद से उनसे संपर्क नहीं हो पाया है और अभी तक गिरफ्तारी आदेश की प्रति भी नहीं मिली है। वांगचुक की पाकिस्तान यात्रा पेशेवर और जलवायु परिवर्तन के विषय पर थी, न कि किसी संदिग्ध गतिविधि के लिए। उन्होंने यह भी बताया कि वांगचुक और वे दोनों कई अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लेते रहे हैं, जिनमें संयुक्त राष्ट्र द्वारा आयोजित जलवायु परिवर्तन सम्मेलन भी शामिल है। उन्होंने पाकिस्तान में हुए 'सम्मेलन और आईसीआईएमओडी जैसे संगठनों के साथ सहयोग को भेदभावपूर्ण तरीके से पेश करने पर आपत्ति जताई। गीतांजलि ने एनएसए के तहत गिरफ्तारी को गलत बताया और कहा कि उनका पति शांति और अहिंसा का मार्ग अपनाते हुए सरकार से लद्दाख के लिए किए गए वादों को याद दिलाते रहे हैं।

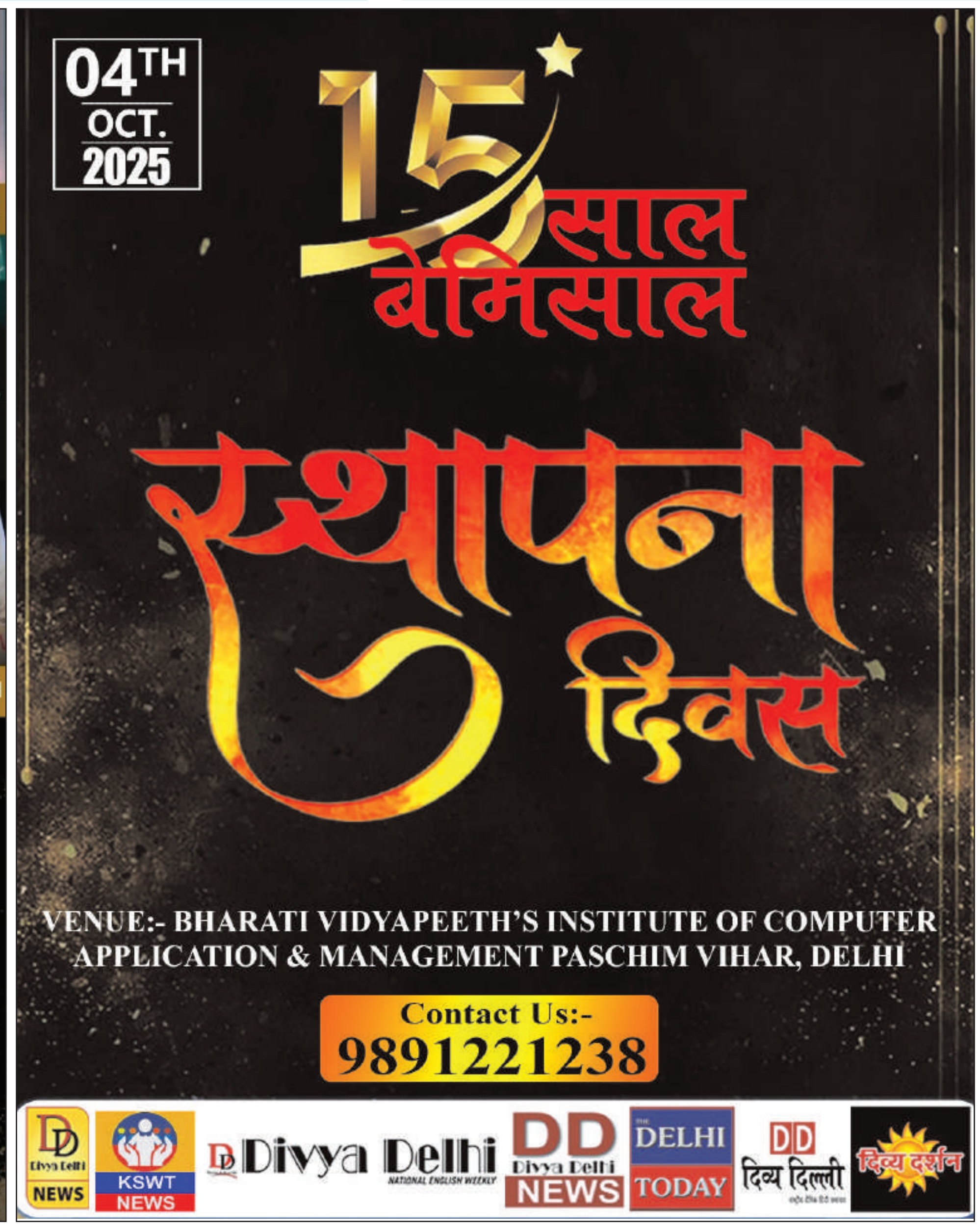

ओडिशा से कर्नाटक तक भारी बारिश से मची तबाही, स्कूल बंद

नई दिल्ली
देश के कई राज्यों में लौटते मानसून के चलते हो रही भारी बारिश से हालात बिगड़ते जा रहे हैं। ओडिशा, मुंबई, तेलंगाना और कर्नाटक में भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने बारिश को लेकर ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किया है। कई इलाकों में जलभराव से यातायात बाधित हो गया और लोगों को राहत शिविरों में शिफ्ट किया गया है। बंगाल की खाड़ी में बना डिप्रेशन शनिवार सुबह करीब 4:30 बजे ओडिशा के गंजाम जिले में गोपालपुर तट से टकराया, जिससे राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार यह धीरे-धीरे पश्चिम की ओर बढ़ते हुए अगले 24 घंटों में कमजोर होगा।

पीएम मोदी का ओडिशा दौरा प्रभावित
बता दें कि ओडिशा में हो रही भारी बारिश के चलते पीएम नरेंद्र मोदी का ओडिशा दौरा भी प्रभावित हुआ। पहले उनका जनसभा स्थल गंजाम जिले के बेरहामपुर में तय था, लेकिन भारी बारिश की आशंका के कारण कार्यक्रम को झारसुगुड़ा में स्थानांतरित कर दिया गया। हालांकि, झारसुगुड़ा में भी तेज हवाओं और बिजली गिरने की चेतावनी जारी की गई है इसके साथ ही मौसम विभाग ने नबरंगपुर जिले में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जबकि कोरापुट, मलकानगिरी, रायगढ़ा, गजपति, गंजाम समेत अन्य जिलों में येलो अलर्ट है। मछुआरों को 27 सितंबर दोपहर तक समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है।

मुंबई में भारी बारिश का असर, यातायात प्रभावित
मुंबई और उपनगरों में शनिवार को भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट देते हुए कहा है कि कुछ इलाकों में बहुत भारी बारिश हो सकती है। बीएमसी के अनुसार, मुंबई में बीते 24 घंटे में औसतन 30 मिमी बारिश हुई है। शहर में 2.25 बजे दोपहर को 3.48 मीटर की हाई टाइड और रात 8.17 बजे 1.06 मीटर की लो टाइड रहेगी। लोकल ट्रेनें कुछ देरी से चल रही हैं, लेकिन ट्रैफिक सामान्य है। लोग सावधानी बरतें और बिना जरूरत घर से बाहर न निकलें।

कर्नाटक के कालबुर्गी जिले में स्कूलों की छुट्टी
कर्नाटक के कलबुर्गी जिले में भारी बारिश और मौसम विभाग की ऑरेंज अलर्ट चेतावनी के चलते स्कूलों में छुट्टी घोषित की गई है।

भाजपा-आरएसएस के निशाने पर है लद्दाख के लोगः राहुल

सोच समझकर लद्दाख की संस्कृति, परंपरा और वहां के लोगों की 'हत्या' की जा रही: राहुल

नई दिल्ली
कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को आरोप लगाया कि लद्दाख के लोगों की संस्कृति और परंपराओं पर भाजपा और आरएसएस हमला कर रहे हैं। कांग्रेस नेता ने प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा में चार लोगों के मारे जाने को 'हत्या' करार देते हुए कहा कि सोच समझकर लद्दाख की संस्कृति, परंपरा और वहां के लोगों की 'हत्या' की जा रही है। उन्होंने कहा कि लोगों की आवाज दबाई जा रही है इसलिए ही सोनम वांग्चुक को गिरफ्तार करके जेल भेजा गया है।

भाजपा-आरएसएस के निशाने पर है लद्दाख : राहुल
लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि लद्दाख के अद्भुत लोग, उनकी संस्कृति और परंपराएं भाजपा और आरएसएस के हमले की चपेट में हैं। लद्दाख के लोगों ने अपनी आवाज उठाई। भाजपा ने जवाब में चार युवाओं को गोली मार दी और सोनम वांगचुक को जेल में डाल दिया। हत्या बंद करो, हिंसा बंद करो, डराना-धमकाना बंद करो। उन्होंने आगे कहा, लद्दाख को आवाज दो। उन्हें छठी अनुसूची में शामिल किया जाए।
उनकी यह टिप्पणी पिछले दिनों लेह में हुई हिंसा के बाद आई है। जिसमें सुरक्षा बलों की गोलीबारी में चार लोग मारे गए थे और कई अन्य घायल हो गए थे। दंगों में कथित संलिप्तता के आरोप में अब तक 50 लोगों को हिरासत में लिया जा चुका है। अधिकारियों ने बताया कि हिंसा प्रभावित लेह में रविवार को लगातार पांचवें दिन कर्फ्यू लागू रहा। उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता प्रतिबंधों में ढील देने पर फैसला लेने के लिए सुरक्षा समीक्षा बैठक करने वाले हैं। राज्य का दर्जा और लद्दाख में छठी अनुसूची के विस्तार के मुद्दे पर केंद्र के साथ बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) द्वारा बुलाए गए बंद के दौरान बुधवार को प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच हिंसक झड़प हुई थी।

भाजपा के झूठे वादे और केंद्र की बेरुखी ने भड़काया लद्दाख आंदोलनः कांग्रेस नेता

जम्मू
जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस समिति के अध्यक्ष तारिक कर्रा ने रविवार को कहा कि भाजपा की झूठी उम्मीदों और केंद्र सरकार की बेरुखी ने लद्दाख में हो रहे आंदोलन को जन्म दिया है।
भाजपा ने अपने चुनाव घोषणा पत्र में लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने का वादा किया था, जिसे पूरा नहीं किया गया। तारिक कर्रा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया, यदि भाजपा ने अपने वादे निभाए होते तो आज की यह स्थिति नहीं होती। भाजपा केंद्र सरकार की गलतियों और वादाखिलाफी को छुपाने के लिए कांग्रेस पर आरोप लगा रही है।

भारी सुरक्षा के बीच लोग दैनिक कामकाज कर रहे

भारी सुरक्षा के बीच लोग जैसे-तैसे अपने दैनिक कामकाज को जारी रखने की कोशिश कर रहे हैं।
हिंसा के दौरान भाजपा का कार्यालय आग के हवाले कर दिया गया था। इस झड़प में चार लोगों की मौत हुई। दो दिन बाद पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत गिरफ्तार कर जोधपुर केंद्रीय जेल भेज दिया गया। उन पर हिंसा भड़काने का आरोप है।

सोनम वांगचुक की भूमिका
सोनम वांगचुक लंबे समय से लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग कर रहे हैं। वह भूख हड़ताल पर भी थे, लेकिन हिंसा भड़कने के तुरंत बाद उन्होंने इसे खत्म कर दिया। छठी अनुसूची फिलहाल पूर्वोत्तर के असम, मिजोरम, त्रिपुरा और मेघालय राज्यों में लागू है और इसमें आदिवासी क्षेत्रों को विशेष अधिकार मिलते हैं।

दमन नहीं संवाद से निकलेगा हल- प्रमोद तिवारी
कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि लद्दाख भारत की संवेदनशील सीमा है, जहां चीन से सटी रेखा की सुरक्षा सबसे अहम है। लेकिन सरकार आंतरिक असंतोष को संभालने में विफल रही है। ऐसे हालात से पाकिस्तान और चीन जैसे पड़ोसी देशों को फायदा मिल सकता है। तिवारी ने केंद्र को आगाह किया कि दमन और गिरफ्तारियां लद्दाख में शांति की गारंटी नहीं दे सकतीं।

हालात संभालने में असफल रहे पीएम मोदी और शाहः कांग्रेस नेता

लेह
लद्दाख में बिगड़ते हालात को लेकर कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने हालात को काबू में करने के बजाय और बिगड़ने दिया है। तिवारी ने कहा कि गिरफ्तारियां समस्या का समाधान नहीं हैं, बल्कि केंद्र को अपने वादों को पूरा करना होगा। प्रमोद तिवारी ने कहा कि प्रधानमंत्री और गृह मंत्री ने राज्य का दर्जा बहाल करने और जम्मू-कश्मीर के साथ लद्दाख को भी समान अधिकार देने का वादा किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि इन वादों को पूरा करने के बजाय सरकार दमनकारी रवैया अपना रही है। तिवारी ने कहा कि मणिपुर को पिछले दो साल से संभाल नहीं पाए और अब लद्दाख में हालात हाथ से निकल गए।

लद्दाख में हिंसा और पाबंदियां
लेह में 24 सितंबर को हुए हिंसक प्रदर्शनों के बाद प्रशासन ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 लागू कर दी। इसके तहत पांच या उससे अधिक लोगों के जुटने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। इलाके में भारी सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं और बिना लिखित अनुमति के जुलूस, रैली या मार्च निकालने पर रोक है। स्थानीय लोगों ने सरकार से प्रतिबंध हटाने की मांग की है। उनका कहना है कि वे दूध और खाद्यान्न जैसी बुनियादी चीजें भी नहीं खरीद पा रहे हैं।

दिल्ली पुलिस भर्ती में ओबीसी आरक्षण की कमी, टैगोर ने शाह से मांगा जवाब

नई दिल्ली
कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर दिल्ली पुलिस भर्ती में ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) के आरक्षित पदों में कमी को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस नेता ने अपने पत्र में कहा कि सरकार की आरक्षण नीति के अनुसार किसी भी भर्ती में 27% पद ओबीसी उम्मीदवारों के लिए आरक्षित होने चाहिए।

दिल्ली पुलिस कांस्टेबल के लिए निकलीं भर्तियां
दिल्ली पुलिस कांस्टेबल (एक्जीक्यूटिव) भर्ती के तहत कुल 7,565 पद निकाले गए हैं। इसमें 27% आरक्षण के हिसाब से 2,043 पद ओबीसी को मिलने चाहिए थे, लेकिन भर्ती अधिसूचना में केवल 1,608 पद ही ओबीसी के लिए तय किए गए हैं। इस तरह 435 पदों की कमी है। उन्होंने इसे संवैधानिक प्रावधान और आरक्षण नीति का उल्लंघन बताया। कांग्रेस नेता मणिकम टैगोर ने आगे कहा कि यह मामला केवल संख्याओं का नहीं, बल्कि न्याय, समानता और लाखों ओबीसी युवाओं के भविष्य से जुड़ा है। उन्होंने गृहमंत्री से तीन मुख्य सवालों के जवाब मांगे हैं।

20 नक्सलियों ने सीआरपीएफ दल पर हमला किया; गोला बारूद, स्कैनर व छर्रे हटाने के उपकरणों से लैस थे

नई दिल्ली
झारखंड में सुरक्षा बलों पर भाकपा (माओवादी) कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए हमले से संबंधित 2024 के मामले में एक प्रमुख आरोपी के खिलाफ राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (एनआईए) ने आरोपपत्र दायर किया है। इसमें कई अहम बात कही गई हैं। करीब 20 नक्सलियों ने सीआरपीएफ दल पर उस वक्त घात लगाकर हमला किया था, जब वह टीम सर्च अभियान पर निकली थी। सुरक्षा बलों ने जब जवाबी कार्रवाई की तो नक्सली घने जंगल में भाग निकले। मौके से जो सामान बरामद हुआ, उसमें गोला बारूद, पेंसिल बैटरी, पोर्टेबल स्कैनर व छर्रे हटाने के उपकरण और एफएम रेडिया आदि बरामद हुए थे। बता दें कि बिहार के जमुई जिले के अभिजीत कोड़ा उर्फ सुनील कोड़ा उर्फ मतला कोड़ा उर्फ मतलू पर झारखंड के रांची स्थित एनआईए विशेष न्यायालय में दायर आरोपपत्र दायर किया गया है। इसमें भारतीय दंड संहिता, शस्त्र अधिनियम, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम, आपराधिक कानून संशोधन अधिनियम 1908 और यूए (पी) अधिनियम, 1967 की कई धाराओं के तहत आरोप लगाए गए हैं। भाकपा (माओवादी) का एक सशस्त्र कार्यकर्ता, कोड़ा प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन की आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने और अपने अन्य नेताओं/कैडरों के साथ मिलकर संगठन को बढ़ावा देने/मजबूत करने की आपराधिक साजिश का हिस्सा था। एनआईए की जांच से पता चला कि वह वरिष्ठ माओवादी नेताओं के लिए कूरियर और संदेशवाहक के रूप में काम कर रहा था।

महाराष्ट्र में बारिश से किसान प्रभावितः उद्धव ने की पूरा कर्ज माफ करने की मांग

मुंबई
महाराष्ट्र में भारी बारिश के चलते किसानों को बड़ा नुकसान का सामना करना पड़ा है। कारण है कि बारिश के चलते फसलें बर्बाद हो गई। साथ ही नौ से ज्यादा किसानों की मौत हो गई। ऐसे में अब शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने किसानों के लिए पूरी कर्ज माफी की मांग की है। इतना ही नहीं उद्धव ने राज्य की फडणवीस सरकार से प्रभावित किसानों को 50000 रुपये प्रति हेक्टेयर राहत राशि देने के साथ-साथ किसानों की समस्याओं पर चर्चा के लिए विशेष विधान सभा सत्र बुलाने की भी मांग की है।

भाजपा सरकार पर साधा निशाना
इस दौरान उद्धव ने राज्य की भाजपा सरकार पर जमकर निशाना भी साधा। उन्होंने फडणवीस सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि महाराष्ट्र सरकार राज्य को सही तरीके से चला पाने में असमर्थ हैं।। बता दें कि महाराष्ट्र के मराठवाड़ा क्षेत्र में 20 सितंबर से भारी बारिश और बढ़ती नदियों की वजह से बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ है। सरकार के अनुसार, करीब 30,000 हेक्टेयर से अधिक फसलें बाढ़ में बह गई हैं और कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई।

सीएम फडणवीस ने की राहत पैकेज का एलान
ऐसे में गंभीर स्थिति को देखते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस शुक्रवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिले और किसानों की मदद के लिए तुरंत राहत पैकेज देने की अपील की। गौरतलब है कि मराठवाड़ा जैसे सूखे इलाके में इस बार भारी बारिश ने किसानों की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। वहीं, दूसरी ओर शिव सेना (यूबीटी) और कांग्रेस ने किसानों के लिए तत्काल राहत की मांग को लेकर अलग-अलग प्रदर्शन करने का एलान किया है। दोनों विपक्षी दलों ने सरकार से राज्य में वेट ड्राउट यानी गीला सूखा घोषित करने की भी मांग की है ताकि किसानों को विशेष मदद दी जा सके। इसके साथ ही इस दौरान प्रमुख उद्धव ठाकरे ने सक्रियता कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी।

संघ की विचाराधारा अपना रहे सीएम चंद्रबाबू नायडूः शर्मिला

आंध्र प्रदेश
आंध्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष वाईएस शर्मिला ने दलित बस्तियों में मंदिर बनाने के लिए तिरुपति मंदिर के बजट का उपयोग करने पर सीएम चंद्रबाबू नायडू पर हमला बोला। शर्मिला ने कहा कि चंद्रबाबू नायडू ने आरएसएस की विचारधारा को अपना लिया है। मंदिर निर्माण के बजाय तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) अपने धन का उपयोग दलित बस्तियों में बुनियादी ढांचे और विकास के लिए करे। विजयवाड़ा के अजित सिंह नगर में शर्मिला ने सीएम चंद्रबाबू नायडू से पूछा कि आप दलित बस्तियों के विकास के लिए टीटीडी के अतिरिक्त फंड का इस्तेमाल क्यों नहीं करते? यदि नायडू वास्तव में दलितों के उत्थान में रुचि रखते हैं, तो वह उनके विकास पर ध्यान क्यों नहीं दे सकते? कल्याण छात्रावास में 200 छात्राएं एक ही शौचालय का उपयोग करने के लिए मजबूर हैं।
उन्होंने सवाल उठाया कि नायडू टीटीडी फंड से दलितों की आवश्यकताओं की पूर्ति करके छात्रावासों में सुविधाएं क्यों नहीं प्रदान कर सकते और दलित बस्तियों में स्वच्छता पर ध्यान क्यों नहीं दे सकते? अगर दलित बस्तियों में मंदिर बनाए गए, तो उनमें पुजारी कौन होगा? आप ब्राह्मणों को पुजारी नियुक्त करेंगे या दलितों को?

पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय साइबर अपराध गिरोह का किया पर्दाफाश,

अहमदाबाद
गुजरात पुलिस ने एक अंतरराष्ट्रीय साइबर अपराध गिरोह का पदार्फाश किया है, जिसने भारत के नागरिकों को 804 करोड़ रुपये का चूना लगाया। राज्य के गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी ने शनिवार को यह जानकारी दी। गिरोह के 10 आरोपियों को सूरत से गिरफ्तार किया गया। गिरोह ने दुबई, वियतनाम और कंबोडिया से ऑपरेशन किया और पूरे भारत में नागरिकों को निशाना बनाया।
गिरोह आम नागरिकों के बैंक खाते और सिम कार्ड 1.5-2 प्रतिशत कमीशन के लालच में हासिल करता था और उनका दुरुपयोग कर साइबर ठगी करता था। गिरोह ने पूरे देश में 1,549 अपराध किए और 804 करोड़ रुपये की ठगी की। गुजरात में 141 डिजिटल अपराधों के जरिए गिरोह ने 17.75 करोड़ कमाए। सूरत से गिरफ्तार आरोपियों के पास से 65 मोबाइल फोन, 447 डेबिट कार्ड, 529 बैंक खाता किट, 686 सिम कार्ड और 16 पॉइंट ऑफ सेल मशीनें जब्त की गईं।

द. अमेरिकी देशों के दौरे पर निकले राहुल, नेताओं और छात्रों से करेंगे मुलाकात

नई दिल्ली
लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी शनिवार को चार दक्षिण अमेरिकी देशों की यात्रा पर रवाना हो गए। इस दौरान वे राजनीतिक लोगों, छात्रों और कारोबारियों से मुलाकात करेंगे। कांग्रेस की मीडिया और प्रचार विभाग के प्रभारी पवन खेड़ा ने यह जानकारी दी। हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि राहुल गांधी कितने दिन देश से बाहर रहेंगे। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी दक्षिण अमेरिकी देशों की यात्रा पर रवाना हो गए हैं। वे चार देशों में राजनीतिक नेताओं, विश्वविद्यालय के छात्रों और कारोबारी जगत से जुड़े लोगों से संवाद करेंगे। कांग्रेस के अनुसार राहुल गांधी ब्राजील और कोलंबिया जाएंगे, जहां वे विश्वविद्यालय के छात्रों से बातचीत करेंगे। बताया जा रहा है कि राहुल की यह यात्रा 10 दिन की है। इस दौरान वह पेरू, चिली, ब्राजील और कोलंबिया जाएंगे।

कांग्रेस का कहना है कि राहुल गांधी ब्राजील, कोलंबिया और अन्य जगहों का दौरा करेंगे, जहां उनके विश्वविद्यालय के छात्रों से बातचीत करने की उम्मीद है। पार्टी ने कहा कि वह कई देशों के राष्ट्रपतियों और वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठकें करेंगे और लोकतांत्रिक एवं रणनीतिक संबंधों को मजबूत करेंगे।
पार्टी ने यह भी कहा कि अमेरिकी शुल्क के मद्देनजर भारतीय व्यापार और साझेदारी में विविधता लाने के अपने प्रयासों के तहत, राहुल गांधी व्यापार जगत के प्रमुख लोगों के साथ मिलकर अवसरों की तलाश करेंगे। वह ब्राजील, कोलंबिया और अन्य जगहों के विश्वविद्यालयों के छात्रों से बातचीत करेंगे और वैश्विक नेताओं की अगली पीढ़ी के साथ संवाद स्थापित करेंगे। कांग्रेस ने कहा कि यह महत्वपूर्ण यात्रा ऐतिहासिक महत्व रखती है। कांग्रेस ने कहा कि भारत और दक्षिण अमेरिका ने गुटनिरपेक्ष आंदोलन, ह्यग्लोबल साउथह्व में एकजुटता और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था के प्रति प्रतिबद्धता के माध्यम से लंबे समय से अपने संबंध साझा किए हैं। मुख्य विपक्षी दल के अनुसार, राहुल गांधी का यह अभियान इस परंपरा को जारी रखते हुए व्यापार, प्रौद्योगिकी और लोगों के बीच आपसी आदान-प्रदान में सहयोग के नए रास्ते खोल रहा है।पार्टी ने यह भी कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों को आकार देने और भारत की वैश्विक उपस्थिति को आगे बढ़ाने में भारत के लोकतांत्रिक विपक्ष की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है।

मणिपुरः असम राइफल्स के काफिले पर हमले करने वाले दो उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल
सुरक्षा बलों ने मणिपुर में 19 सितंबर को असम राइफल्स के काफिले पर हुए हमले में कथित संलिप्तता के आरोप में एक प्रतिबंधित संगठन के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इस हमले में असम राइफल्स के दो जवान बलिदान हो गए थे। गिरफ्तार किए गए एक उग्रवादी को गुवाहाटी से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के एक बयान में कहा गया है, पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के दो कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया है। ये 19 सितंबर को बिष्णुपुर जिले के नाम्बोल सबल लेईकाई में 33 असम राइफल्स पर हुए हमले में मुख्य रूप से शामिल थे। गिरफ्तार किए गए आतंकियों में से एक को असम की राजधानी गुवाहाटी से पकड़ा गया, जबकि दूसरे की गिरफ्तारी का स्थान पुलिस ने उजागर नहीं किया। 19 सितंबर को अर्धसैनिक बलों के एक वाहन पर हथियारबंद लोगों के एक समूह द्वारा घात लगाकर हमला किया था। इस हमले में असम राइफल्स के दो जवान बलिदान हो गए और पांच अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान थोंग्राम सदानंद सिंह उर्फ नगाचिक उर्फ पुरकपा (18) और स्वयंभू लेफ्टिनेंट कॉर्पल चोंगथम महेश उर्फ मोमो (51) के रूप में हुई है।

दिल्ली की 1000 सरकारी इमारतों पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने की शुरूआत कर मुबारकपुर डबास में 66 केवी ग्रिड सब-स्टेशन की आधारशिला रखी

मुख्यमंत्री ने 6 लेन फ्लाईओवर का किया लोकार्पण

इस फ्लाईओवर से बिना रुकावट गुजरेंगे और औसतन 15 मिनट की बचत होगी

नई दिल्ली
दिल्ली सरकार ने रविवार को सेवा पखवाड़े के दौरान यमुना पार क्षेत्र को एक और बड़ी सौगात दी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने नंद नगरी से गगन सिनेमा तक 6 लेन फ्लाईओवर का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर सांसद मनोज तिवारी, लोक निर्माण विभाग के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, दिल्ली विधानसभा के उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने कहा," हर दिन लाखों वाहन इस फ्लाईओवर से बिना रुकावट गुजरेंगे और प्रत्येक वाहन चालक को औसतन 15 मिनट की बचत होगी। यह यमुना पार के लाखों परिवारों के जीवन को सहज और सरल बनाने का साधन है।" मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्षों से लटका यह कार्य भाजपा सरकार ने मात्र सात महीनों में पूरा कर दिखाया। यही भाजपा सरकार की गति, संकल्प और गुड गवर्नेंस का जीवंत उदाहरण है। उन्होंने ने कहा," प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में हम विकसित दिल्ली की ओर तेजी से अग्रसर हैं। यह फ्लाईओवर दिल्ली की रफ्तार है, दिल्ली की राहत है और उज्ज्वल भविष्य की ओर बढ़ता ठोस कदम है।" इस अवसर पर मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा," आज नंद नगरी फ्लाईओवर के लोकार्पण में शामिल होकर एक विशेष संतोष की अनुभूति हुई। यह फ्लाईओवर उन लाखों लोगों के लिए राहत का प्रतीक है, जो वर्षों से ट्रैफिक जाम और अव्यवस्था से जूझते आ रहे थे। अब हर दिन करीब एक लाख लोग इस मार्ग से गुजरेंगे और औसतन 15 मिनट का कीमती समय बचेगा।" मंत्री प्रवेश साहिब सिंह इस मौके पर दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा का धन्यवाद किया।

मुख्यमंत्री ने यमुनापार के नए रूटों पर तीन सौ नई देवी बसों को हरी झंडी दिखाई

नई दिल्ली
दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने ईस्ट विनोद नगर से रविवार को यमुनापार के नए रूटों पर 300 नई देवी बसों को हरी झंडी दिखाई। इस मौके पर केंद्रीय राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा, दिल्ली के परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह, पटपड़गंज से विधायक रविंदर सिंह नेगी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने बताया कि अब डीटीसी के बेड़े में कुल 974 देवी बसें होंगी। कई इलाकों में बसें होने के बावजूद कनेक्टिविटी कमजोर थी, यात्रा समय लंबा होता था और भीड़ बहुत ज्यादा रहती थी। इसी चुनौती को दूर करने के लिए आईआईटी दिल्ली के सहयोग से वैज्ञानिक अध्ययन हुआ और उसी के आधार पर पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर ये नए रूट तय किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, "ये नई देवी बसें यमुनापार को सीधे राजधानी के हर कोने से जोड़ेंगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारा संकल्प है कि हर दिल्लीवासी को बराबर की सुविधा और सम्मान मिले।"

'नमो रन' ने विकसित दिल्ली और नशा-मुक्त भारत का दिया संदेश : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली
मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता आज कनॉट प्लेस के सेंट्रल पार्क में नमो रन में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुई। इस मौके पर उनके साथ दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने कहा, "विकसित दिल्ली और नशा-मुक्त भारत के संदेश के साथ नमो रन में दिल्ली के हजारों बच्चों और युवाओं ने हिस्सा लिया।" मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में चल रहे सेवा पखवाड़े में आज आयोजित नमो रन में 7,500 से अधिक विद्यार्थी 15 स्थानों पर 75 किलोमीटर की दौड़ लगा रहे हैं। यह केवल रन नहीं, बल्कि युवाशक्ति का जागरण और नए भारत की ऊर्जा है। उन्होंने कहा, "सभी बच्चों और युवाओं का यह उत्साह और संकल्प हमारे राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत और अनमोल धरोहर है।" मुख्यमंत्री ने कहा, "शहीद-ए-आजम भगत सिंह की जयंती पर हम सब मिलकर यह प्रण लें कि उनके साहस और बलिदान से प्रेरणा लेकर भारत को आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाएंगे।" मंत्री आशीष सूद ने कहा, "दिल्ली के 7500 युवा 75 किलोमीटर दौड़कर विकसित दिल्ली का संकल्प पूरा करने आए हैं। आज का दिन ऐतिहासिक है, ये दिन नशे के खिलाफ, प्रदूषण के खिलाफ, विकसित दिल्ली बनाने का दिन है।"

राहुल ने शहीद-ए-आजम भगत सिंह की जयंती पर दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली
कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शहीद-ए-आजम भगत सिंह की जयंती पर उन्हें सादर नमन किया। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर अपने पोस्ट में भगत सिंह के बलिदान और साहस को याद किया। उन्होंने लिखा, "शहीद-ए-आजम भगत सिंह जी की जयंती पर उन्हें सादर नमन। मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने का उनका साहस, अटूट संकल्प और बलिदान हर भारतीय के लिए सदैव प्रेरणा का स्रोत रहेगा।"

हत्या का खुलासा: नौ साल पहले हुई पिटाई का बदला कत्ल कर लिया

लखपत को चार गोली मार दी। टांग, पेट, गर्दन व सिर में गोली लगने से मौत हो गई

नई दिल्ली
दक्षिण दिल्ली के मालवीय नगर इलाके में शुक्रवार सुबह प्रॉपर्टी डीलर व कांग्रेसी नेता लखपत सिंह कटारिया उर्फ लख्खी की हत्या की गुत्थी को पुलिस ने सुलझा लिया है। पुलिस ने इस सनसनीखेज हत्याकांड में एक व्यक्ति व उसके नाबालिग बेटे को पकड़ा है। इनकी पहचान खुशीराम (47) और इसके 17 साल के नाबालिग बेटे के रूप में हुई है। दरअसल, खुशीराम ने नौ साल पहले हुई पिटाई का बदला लेने के लिए योजना बनाकर लखपत सिंह कटारिया की हत्या कर दी। 9 जनवरी 2016 को एक प्लॉट बेचने को लेकर हुए विवाद में लखपत, उनके भाई धर्मेंद्र व अन्यों ने मिलकर खुशीराम की बुरी तरह पिटाई कर दी थी। हाथ-पैर टूटने की वजह से वह 9 माह बिस्तर पर रहा था तभी से उसने बदला लेने की ठान ली थी। अपनी पिटाई का बदला लेने की नियत से वह शुक्रवार को पिस्टल व क्रिकेट बैट के साथ अपने नाबालिग बेटे के साथ विजय मंडल पार्क पहुंचा। आरोपियों ने पहले लखपत सिंह को बुरी तरह पीटा। बाद में चार गोलियां मारकर उनकी हत्या कर दी। बाद में आरोपी फरार हो गए। पुलिस ने आरोपियों के पास से वारदात में इस्तेमाल बगैर नंबर प्लेट की बाइक व अन्य सामान बरामद कर लिया है। छानबीन के दौरान पुलिस को पता चला है कि वारदात वाले दिन खुशीराम के बेटे की उम्र को 18 साल होने में महज एक ही दिन बचा था।

ऐसे की गई लखपत सिंह कटारिया की हत्या...

दक्षिण जिला पुलिस उपायुक्त अंकित चौहान ने बताया कि लखपत सिंह कटारिया परिवार के साथ बेगमपुर इलाके में रहते थे। इनके परिवार में पत्नी वीरमति, बेटा शिवम व एक बेटी है। लखपत कांग्रेस से जुड़े हुए थे। उनका एरिया में प्रॉपर्टी का कारोबार था। रोजाना सुबह के समय वह मॉर्निंग वॉक के लिए घर से विजय मंडल पार्क में जाते थे। सुबह वह पार्क में पहुंचे तो दो लोगों ने उनको घेरकर बैट से पिटाई शुरू कर दी। पार्क के गार्ड उनको बचाने आए तो आरोपियों ने उन पर पिस्टल तान दी। बाद में आरोपियों ने लखपत सिंह को चार गोली मार दी।

सोनम वांगचुक की रिहाई के लिए छात्रों ने किया प्रदर्शन

नई दिल्ली
जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की रिहाई के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के आर्ट फैकल्टी पर छात्रों ने प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन आइसा के बैनर तले आयोजित हुआ। प्रदर्शनकारी छात्रों ने लद्दाख को राज्य का दर्जा देने की भी मांग की। आइसा डीयू की अध्यक्ष सावी ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा गिरफ्तारी की निंदा करते है। सरकार ने अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद से ही लद्दाख को राज्य का दर्जा देने का वादा किया गया था। लेकिन अब तक यह नहीं दिया गया है। सरकार का लद्दाख को राज्य का दर्जा देने का कोई इरादा नहीं है। हम डीयू के छात्र एकजुटता के साथ खड़े हैं। जब तक यह मांगें पूरी नहीं हो जातीं। यह विरोध जारी रहेगा।

आश्रम कांड: पांच दिन की हिरासत में भेजा गया आरोपी चैतन्यानंद

नई दिल्ली
दिल्ली के वसंतकुंज स्थित आश्रम में 17 छात्राओं से छेड़छाड़ के आरोपित स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती उर्फ पार्थसारथी को शनिवार रात पुलिस ने आगरा के ताजगंज इलाके के एक होटल से गिरफ्तार किया। रविवार को आरोपी को पटियाला हाउस कोर्ट में मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया। पुलिस ने अदालत से आरोपी की पांच दिन की हिरासत की मांग की, जिसे जज ने मंजूरी दे दी। माना जा रहा है कि पुलिस की पूछताछ में आरोपी कई बड़े खुलासे कर सकता है।

तीन अरब से अधिक की संपत्ति पर चाहता था कब्जा करना

दिल्ली पुलिस ने स्वामी को आगरा से बीती रात करीब 3.30 बजे पकड़ा है। इस बीच चैतन्यानंद उर्फ पार्थसारथी को लेकर रोज नए-नए खुलासे हो रहे हैं। बताते हैं कि पाखंडी मठ की तीन खरब से अधिक की संपत्ति पर कब्जा करना चाहता था। इसके लिए उसने पीठ के विश्वास को तोड़ा, ताकि वह इस संपत्ति पर कब्जा कर सके।

स्वामी पर पहले से दर्ज हैं मामले

पीठ ने आरोपी स्वामी चैतन्यानंद के खिलाफ वसंतकुंज (नार्थ) थाने में धोखाधड़ी, जालसाजी व फर्जी कागजात बनवाने आदि की प्राथमिकी दर्ज करवाई है। प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि आश्रम में कुछ इमारतें कई कंपनियों को किराये पर दे रखी थीं।

60 लाख रुपये महीना आता था किराया

पहले से दर्ज प्राथमिकी में कहा गया है कि इन इमारतों से प्रतिमाह करीब 60 लाख रुपये किराये आता था। आरोपी इस किराये को पीठ को नहीं दे रहा था। पीठ के वसंतकुंज स्थित आश्रम के प्रशासक पीए मुरली की ओर से थाने में ये शिकायत दर्ज कराई गई है। दक्षिण-पश्चिमी जिले के पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने इस मामले की जांच जिला जांच यूनिट (डीआईयू) को सौंपी है।

दिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जांच में चैतन्यानंद के नाम और उससे जुड़े ट्रस्ट के नाम पर 18 बैंक खाते, 28 फिक्स्ड डिपॉजिट की पहचान की गई है। इन खातों से कुल मिलाकर करीब 18 करोड़ रुपये मिले हैं। पुलिस ने इन बैंक खातों को सीज कर दिया है। इनमें ज्यादातर रकम श्री शारदा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन मैनेजमेंट रिसर्च फाउंडेशन ट्रस्ट के जरिए जमा की गई थी।

तमंचा दिखाकर वीडियो बनाने वाले युवक को पकड़ा

नई दिल्ली
उत्तर पूर्वी जिले की पुलिस ने सोशल मीडिया पर तमंचा दिखाकर वीडियो बनाने वाले युवक सुभाष मोहल्ला निवासी जमाल उर्फ जांबाज को पकड़ा है। पुलिस ने उसके कब्जे से तमंचा, कारतूस और दो खाली खोखे बरामद किए हैं। उत्तर पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त आशीष मिश्रा के मुताबिक, सोशल मीडिया पर वीडियो काफी तेजी से वायरल हो रहा था।

नार्थ-टिहरी गढ़वाल के लिए उपयोगी आभूषण व नकदी लूट में घोषित बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली
दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने सोने और हीरे के आभूषणों व नकदी की लूटपाट के मामले में घोषित बदमाश जावेद को गिरफ्तार किया है। अदालत ने आरोपी को 24 फरवरी 2025 को घोषित अपराधी घोषित कर दिया था। सैयद नांगलोई दिल्ली निवासी जावेद उत्तराखंड के टिहरी गढ़वाल के चांदला गांव का रहने वाला है। अपराध शाखा के पुलिस उपायुक्त पंकज कुमार के अनुसार सात आरोपियों ने जनवरी 2020 में दिल्ली के अंबिका विहार स्थित घर में डकैती की साजिश रची। उनमें से आरोपी राजेश अंबिका विहार निवासी पीड़िता के यहां ड्राइवर के रूप में काम करता था। सीनियर सिटीजन महिला अकेली रहती हैं। उनके बच्चे ऑस्ट्रेलिया में रहते हैं। 29 जनवरी 2020 को दोपहर करीब 1 बजे आरिफ, अख्तर, विनीत और मूलचंद गैस मीटर चेक करने के बहाने घुस गए। जावेद, राजेश और घनश्याम तिवारी निगरानी रखने के लिए बाहर रहे।

नदियों के कारण ही भारतीय संस्कृति अक्षुण्ण है: मालिनी अवस्थी

नई दिल्ली
लोकगायिका मालिनी अवस्थी ने शनिवार को कहा कि भारत का सौभाग्य है कि नदियां हैं और उसी से भारतीय सांस्कृतिक सत्ता अक्षुण्ण है। मालिनी ने यह बात दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) में तीन दिवसीय 25 से 27 सितम्बर तक आयोजित छठे नदी उत्सव के समापन समारोह के अवसर पर कही। समापन सत्र के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के केन्द्रीय कार्यालय मंत्री गोपाल आर्य आईजीएनसीए के प्रो. के. अनिल कुमार और नदी उत्सव के संयोजक अभय मिश्रा सहित अतिथिगण उपस्थित रहे। मालिनी अवस्थी ने कहा, "लोकगीतों में नदियां केवल बहती जलधाराएं नहीं हैं, बल्कि उनका मानवीकरण किया गया है। वे नायिका बनकर प्रेम, विरह और लालसा का स्वर रचती हैं, तो कभी मां, बहन और बेटी के रूप में जीवन को पोषित करती हैं।" इस मौके पर उन्होंने पहली भोजपुरी फिल्म गंगा मैया तोहे पियरी चढ़इबो का टाइटल गीत तथा बटोही गीत सुंदर सुभूमि भैया भरत के देसवा में गाकर सबको मंत्रमुग्ध किया। गोपाल आर्य ने कहा, "ये नदी उत्सव केवल उत्सव नहीं है, एक मंथन है। नदी केवल प्रवाहित होने की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि नदी हमारी संस्कृति है।"

संकट में दिल्ली का 300 साल पुराना गांव: मेहरम नगर को उजाड़ने के खिलाफ महापंचायत, 36 बिरादरी के हजारों लोग जुटे

नई दिल्ली
दिल्ली छावनी का 300 साल पुराने मेहरम नगर गांव को उजाड़ने के खिलाफ रविवार को महापंचायत हुई। गांव को बचाने के लिए आयोजित महापंचायत में दिल्ली के 360 गांव और 36 बिरादरी से हजारों लोग जुटे। इसके अलावा आम आदमी पार्टी और कांग्रेस नेता भी पहुंचे। इस दौरान ग्रामीणों, युवाओं, महिलाओं और सामाजिक संगठनों ने एक स्वर में एलान किया कि अगर सरकार ने जबरन बुलडोजर चलाने की कोशिश की, तो दिल्ली-हरियाणा की धरती पर बड़ा आंदोलन खड़ा होगा।

मंच से सरकार को साफ चेतावनी

महापंचायत ने कहा कि मेहरम नगर का सवाल केवल एक गांव का नहीं बल्कि दिल्ली की ग्रामीण पहचान और तीन सौ साल पुराने इतिहास की रक्षा का है। महापंचायत में आए ग्रामीण नेताओं और प्रतिनिधियों ने मंच से सरकार को साफ चेतावनी दी कि अदालत से मिली अस्थायी राहत पर भरोसा न करे। उन्होंने कहा कि ग्रामीण अपनी झोपड़ी और मकान की एक-एक ईंट बचाने को तैयार हैं और प्रशासनिक दबाव को किसी हाल में स्वीकार नहीं करेंगे। पंचायत में दिल्ली और हरियाणा के किसान संगठनों, पंचायत प्रतिनिधियों और अनेक सामाजिक संगठनों ने कहा कि यह आंदोलन आगे और तेज किया जाएगा। महापंचायत के फैसले के अनुसार गांव की चौकसी बढ़ा दी जाएगी और जरूरत पड़ने पर धरना और दिल्ली मार्च भी किया जाएगा।

'मेहराम नगर की एक भी ईंट नहीं हटने देंगे'

इस मौके पर आम आदमी पार्टी का प्रतिनिधित्व करते हुए प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज और राज्यसभा सांसद संजय सिंह पहुंचे।

जेएनयू में चूहों-खरगोश के लिए खरीदें जाएंगे पिंजरे

नई दिल्ली
जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में शोध के लिए चूहे और खरगोश को पॉलीप्रोपाइलीन और स्टील के पिंजरों में रखा जाएगा। नए पिंजरों की खरीद को लेकर जेएनयू के सेंट्रल लेबोरेटरी एनिमल रिसोर्स ने कवायद शुरू कर दी है। चूहों के लिए 115 पॉलीप्रोपाइलीन पिंजरे और 18 स्टेनलेस स्टील पिंजरे खरगोश के लिए खरीद जाएंगे। इस संबंध में निविदा जारी कर दी गई है। एक अधिकारी ने बताया कि पिंजरों की खरीद इससे पहले भी होती रहती है। लेकिन यह पिंजरे सामान्य पिंजरों की तुलना में ज्यादा सुरक्षित होते है। साफ-सफाई आसानी से हो जाती है। पिंजरों में किसी प्रकार कोई कीटाणु और बैक्टीरिया नहीं पनपता है। एक स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित होता है। शोध के चूहे और खरगोश को रखने के लिए ऐसे पिंजरों की जरूरत पड़ती है। जिससे शोध से जुड़ा कोई कार्य प्रभावित न हो।

संपादकीय

लेह में जेन जेड और अरब स्प्रिंग स्टाइल में फैलाई गई हिंसा

लेह-लद्दाख में हालिया हिंसक घटनाएं न केवल स्थानीय राजनीतिक सरगर्मियों को उजागर कर रही हैं, बल्कि चर्चित पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक और कांग्रेस के संभावित संबंधों, विदेशी हस्तक्षेप, और केंद्र सरकार से असंतोष के मुद्दों को भी सामने ला रही हैं। सोनम वांगचुक, लद्दाख क्षेत्र को राज्य का दर्जा दिलाने और छठी अनुसूची के तहत विशेष दर्जे की मांग को लेकर भूख हड़ताल कर रहे थे। उनकी भूख हड़ताल 10 सितंबर 2025 से शुरू हुई थी और कई नेताओं व प्रशासन के आग्रह के बावजूद वे अनशन पर डटे रहे। इस दौरान गिन-चुन कर चुने गए भाषणों में वांगचुक ने नेपाल के जेन जी मूवमेंट और अरब स्प्रिंग जैसे आंदोलनों का जिक्र किया और युवाओं को उससे प्रेरणा लेकर आगे आने को कहा। यही तथ्य केंद्र सरकार के मुताबिक हिंसा के पीछे प्रमुख कारण माना जा रहा है। हिंसा में चार लोगों की मौत हुई और दर्जनों घायल हुए। पुलिस और प्रशासन के कार्यालयों सहित बीजेपी के दफ्तरों में भी तोड़फोड़ और आगजनी हुई। प्रशासन ने इलाके में कर्फ्यू लगा दिया है तथा सीआरपीएफ, पुलिस और भारत-तिब्बत सीमा पुलिस की तैनाती की है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब वांगचुक अपनी मांगों को लेकर केंद्र सरकार से मुलाकात करने वाले थे, उससे दो-तीन दिन पहले उन्होंने लद्दाख को हिंसा की आग में किस साजिश के तहत झोंक दिया। इस हिंसा के पीछे कांग्रेस की भूमिका को लेकर तीखे आरोप लगाए गए हैं। बीजेपी का आरोप है कि स्थानीय कांग्रेस पार्षद फुंटसोग स्टैनजिन त्सेपाग ने सीधे तौर पर हिंसक घटनाओं का मार्गदर्शन किया। पुलिस ने इस मामले में एफआईआर दर्ज कर त्सेपाग को आरोपी बनाया है और कांग्रेस के संबंध को लेकर तस्वीरें, वीडियो भी जारी किए गए हैं। कांग्रेस ने इन आरोपों को सिरे से नकारा है और सोनम वांगचुक भी अपने ऊपर लगे उकसावे के आरोपों का खंडन कर चुके हैं।

सरकार और स्वतंत्र पर्यवेक्षकों के अनुसार, आंदोलन के दौरान जब वांगचुक ने अपने भाषण में अरब स्प्रिंग और नेपाल के जेन-जेड आंदोलनों का उल्लेख किया, उससे आंदोलनकारी युवा वर्ग खास तौर पर प्रेरित हुआ। इस संदेश के चलते युवा प्रदर्शनकारियों ने आक्रोश में आकर सरकारी इमारतों, बीजेपी कार्यालयों और वाहनों पर हमला किया। जो भीड़ पहले शांतिपूर्वक अनशन स्थल पर थी, उसने बाद में हिंसक प्रदर्शन किए। इस पूरी प्रक्रिया को कुछ रिपोर्टों में सुनियोजित और योजनाबद्ध बताया गया है, जिसमें राजनीतिक प्रतिनिधियों के निजी स्वार्थों और साजिश की भी चर्चा हुई है। वैसे सोनम वांगचुक की छवि एक शिक्षावादी और पर्यावरण योद्धा की रही है, लेकिन बीते कुछ वर्षों में उनकी राजनीतिक टिप्पणियां और बाहरी मंचों पर दिए गए भाषण चचाओं में रहे हैं। फरवरी 2025 में उनकी पाकिस्तान यात्रा पर भी सवाल उठे थे, जहाँ वे एक पर्यावरण सम्मेलन में शामिल हुए थे। उस यात्रा के दौरान रिकॉर्ड किए गए बयानों पर कई बार विवाद हुआ कि कहीं किसी देश-विदेश की प्रेरणा या संसाधनों की भूमिका तो नहीं। वांगचुक की ये जन जागरूकता-आधारित राजनीति अक्सर जोखिम भरी मानी जाती है क्योंकि वह बार-बार युवाओं से संगठित प्रतिरोध या गांधी के मार्ग की जगह अधिक आक्रामक रुख अपनाने की अपील कर चुके हैं। उधर, केंद्रीय गृह मंत्रालय और राज्य प्रशासन इस हिंसा और उसके पीछे की संभावित विदेशी ताकतों की भूमिका को लेकर हर एंगल से जांच कर रहे हैं। सोनम वांगचुक की पाकिस्तानी संपर्कों वाली यात्रा, ह्यअरब स्प्रिंगह्न और ह्यनेपाल-जेन-जेड आंदोलनों पर बार-बार जोर, और भीड़ के हिंसक हो जाने की तमीज को शक की नजर से देखा जा रहा है, लेकिन अभी तक प्रत्यक्ष विदेशी फंडिंग या दखल की पुष्टि नहीं हो सकी है, जबकि बीजेपी के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने हिंसा के लिए कांग्रेस को उत्तरदायी बताते हुए स्थानीय पार्षद फुंटसोग स्टैनजिन त्सेपाग का नाम और सबूत मीडिया प्रमोशन में इस्तेमाल किए हैं। बीजेपी की तरफ से दावा किया गया कि कांग्रेस और इसके स्थानीय नेताओं ने युवाओं को खास दिशा में उकसाया जिससे स्थिति बेकाबू हुई। वहीं, कांग्रेस नेतृत्व ने इन दावों को राजनीति से प्रेरित बताते हुए बीजेपी के खिलाफ साजिश की बात कही है।

आजम खान : सत्ता के मुखौटे उतार देने वाला नेता

दिलीप कुमार पाठक

मुझे मार दिया जाए, मेरी यूनिवर्सिटी में बुलडोजर चला दिया जाए फिर भी एक यूनिवर्सिटी के फाउंडर के रूप में मेरी शिनाख्त होगी. मुझ पर किताबों की चोरी का आरोप लगाया गया है, अगर चोरी करके कोई गरीब बच्चों को पढ़ाता है तो ऐसे चोरों की जरूरत हिन्दुस्तान को है.ये शब्द किसी और के नहीं बल्कि उत्तरप्रदेश के सबसे चर्चित दिग्गज नेता आजम खान के हैं.

मुहम्मद आजम खान एक तेजतर्रार नेता आपातकाल की छाया से निकलकर उत्तर प्रदेश की सबसे मजबूत राजनीतिक आवाजों में से एक बनकर उभरे थे. आजम खान मुल्क के दिग्गज नेताओ की फेहरिस्त में शामिल रहे, जिन्होंने लम्बा दौर सियासत के आंगन में जिया, परंतु उनके हिस्से लम्बा संघर्ष भी आया ङ्ग उत्तरप्रदेश में जिनकी तूती बोलती थी, जिनकी पर्सनैलिटी ऐसी कि जिस गली से गुजर जाएं तो जुलूस निकल जाएं. मुँह खोलें तो हेड लाइन बन जाए. उत्तरप्रदेश का ऐसा नेता जो पूरे देश की राजनीति के केंद्र में होता था. आपातकाल में इन्दिरा गांधी के मुखर विरोध में नेतागिरी में कूद जाने वाले आजम खान ने कभी भी राजनीतिक समझौता नहीं किया, कीमत चाहे जो भी रही हो. आजम खान ने गरीबों की उंगली थामकर नवाबों के राजनीतिक किले की प्राचीर को ध्वस्त कर दिया था. इंदिरा गांधी के विरुद्ध आवाज बुलन्द करने वाले आजम खान को काल कोठरी में ठूंस दिया गया था, जहां इंसानो को रखने की मनाही थी जो बिल्कुल जायज नहीं था. जहां उनके साथी नेताओ को आरामदायक जगह में रखा गया था, वहीं आजम खान ने तमाम ज्यादतियां झेलीङ्ग आपातकाल के दौरान 17 महीनों की लम्बी कैद झेलने के बाद पहला चुनाव जनता पार्टी की टिकिट पर लड़ गए हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन राजनीति से जूझते रहे.

इस हार ने उनके इरादों को और मजबूत कर दिया और उन्होंने रामपुर के नवाब परिवार के प्रभुत्व को खुली चुनौती देने का फैसला किया. नवाब परिवार ने ऐतिहासिक रूप से अंग्रेजों का साथ दिया था और बाद में राजनीति में अपना दबदबा बनाए रखा था.

जुलफिकार अली खान ने 1967 से 1989 तक रामपुर से संसद की सीट पर कब्जा किया, और उनकी पत्नी नूर बानो ने 1996 और 1999 में जीत हासिल की. आजम ने इस नवाबी दबदबे को चुनौती देने का बीड़ा उठाया, और खुद को एक मजबूत प्रतिद्वंद्वी के रूप में स्थापित किया. 1980 में, आजम ने रामपुर विधानसभा सीट से चुनाव लड़ा और जीत हासिल की, उन्होंने मजदूरों और निचले तबके के बीच अपना समर्थन मजबूत करना शुरू किया. मौलाना मोहम्मद अली जौहर के आदर्शों से प्रेरित होकर, जिन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी, आजम ने रामपुर के मजदूर वर्ग को संगठित किया और नवाबी परिवार के प्रभुत्व को चुनौती दी.आजम खान का प्रभाव बढ़ने के साथ, रामपुर पर नवाबी पकड़ कम होती गई. 1980 से 1992 के बीच, खान ने चार अलग-अलग दलों के टिकट पर रामपुर सीट जीती. 1992 में समाजवादी पार्टी की स्थापना के बाद, वे मुलायम सिंह यादव के साथ जुड़ गए और पार्टी के टिकट पर जीत हासिल की. उनकी लगातार जीत और तीक्ष्ण भाषण कला ने उन्हें उत्तर प्रदेश के प्रमुख मुस्लिम नेताओं में से एक बना दिया. 2003 में, समाजवादी पार्टी की सरकार के दौरान, आजम खान ने मौलाना अली जौहर ट्रस्ट की स्थापना की और रामपुर में एक विश्वविद्यालय की नींव रखी.

पीडीए की एकता तोड़ना चाहती है बीजेपी: अखिलेश

ँअजय कुमार

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आज गुरुवार को लखनऊ स्थित पार्टी कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन के दौरान कहा कि जाति का हमारे समाज से गहरा भावनात्मक जुड़ाव है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पिछड़े वर्गों को जाति के आधार पर ही आरक्षण मिला है और मंडल कमीशन की प्रस्तावना में यह बात दर्ज है कि पिछड़े लोग जाति के आधार पर ही पहचाने जाते हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा पीडीए यानी पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यकों की एकजुटता से घबराई हुई है। जब से समाजवादी पार्टी ने अलग-अलग विभागों में पीडीए की हिस्सेदारी और तैनाती के आंकड़े सार्वजनिक किए हैं, तबसे भारतीय जनता पार्टी विचलित है और वह समाज के लोगों को अपमानित करने का रास्ता चुन रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा लगातार ऐसे मुद्दे गढ़ रही है जिससे पिछड़ों, दलितों और अल्पसंख्यकों के बीच पैदा हुई एकता को कमजोर किया जा सके।

योगी सरकार द्वारा हाल ही में जारी उस आदेश पर सवाल खड़े करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि अब प्रदेश में एफआईआर, अरेस्ट वारंट या किसी भी सरकारी दस्तावेज पर जाति का उल्लेख नहीं किया जाएगा। इस आदेश को चुनौती देते हुए उन्होंने कहा कि जब हरिजन एक्ट ही जाति के आधार पर बना है तो जाति की पहचान को मिटाने की कोशिश क्यों की जा रही है। अखिलेश यादव ने तंज कसते हुए पूछा कि जब प्रदेश में ऐसे मामले हुए हैं जिनमें लोगों ने गंगाजल से मकान धुलवाया या मंदिरों को जातिगत भेदभाव के कारण साफ कराया गया, तो उन पर कार्रवाई क्यों नहीं की गई? उन्होंने कहा कि मैं खुद एक मंदिर गया था जहां मंदिर के पुजारी ने रोकने की कोशिश की, लेकिन भाजपा के ही लोगों ने उस जगह को धुलवाया। भाजपा को यह स्पष्ट करना चाहिए कि आखिर ऐसा क्यों किया गया। अखिलेश ने दोहराया कि इस समय समाजवादी पार्टी ही है जिस पर पीडीए समाज का भरोसा कायम हो रहा है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने भाजपा सरकार को भ्रष्टाचार के मामलों में कठघरे में खड़ा करते हुए तीखे अंदाज में कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा ने भ्रष्टाचार के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। उन्होंने कहा कि आज खुद सत्तारूढ़ दल के विधायक मंच से बोल रहे हैं कि काम के बदले दस प्रतिशत कमीशन लिया जा रहा है। विधायक इस बात को सार्वजनिक रूप से कह रहे हैं लेकिन भाजपा सरकार इस पर ध्यान नहीं देती। इसके बजाय भाजपा हमें क्रीम, पाउडर और शैंपू जैसे मुद्दों में उलझाने की कोशिश कर रही है। अखिलेश यादव ने व्यंग्य करते

हुए कहा कि हम भी बाजार जाएंगे और देखेंगे कि आखिर कौन लोग ज्यादा मुनाफा कमा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा की सरकार उन लोगों से बात कर रही है और उन्हें बढ़ावा दे रही है, जो ज्यादा मुनाफा कमा रहे हैं, जबकि आम जनता की समस्याओं पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

इस मौके पर अखिलेश यादव ने समाजवादी पार्टी में शामिल हो रहे नए नेताओं का स्वागत किया। उन्होंने खासकर सुधीर चौहान, पूर्व विधायक चौधरी अमर सिंह, विद्यासागर और बसपा से आए लालजी भारती का जिक्र किया और कहा कि इन नेताओं का पार्टी में आना समाजवादी पार्टी को मजबूती देगा। अखिलेश यादव ने विश्वास जताया कि सामाजिक न्याय और बराबरी की लड़ाई को और अधिक बल देने के लिए ऐसे नेताओं का साथ आना बेहद जरूरी है।

अखिलेश यादव ने लगातार भाजपा पर हमले जारी रखते हुए कहा कि भाजपा सरकार लोगों को उलझाने का काम कर रही है ताकि जनता मुख्य मुद्दों पर सवाल न पूछ सके। उन्होंने कहा कि भाजपा तबसे घबराई हुई है जबसे समाजवादी पार्टी ने विभिन्न विभागों में पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यकों की वास्तविक हिस्सेदारी का खुलासा किया। उन्होंने कहा कि आंकड़े बताते हैं कि पीडीए की हिस्सेदारी नाम मात्र की है, और इन्हें उनके अधिकार से दूर रखने के लिए भाजपा तमाम चालें चल रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा चाहे कितना भी भ्रम फैलाने की कोशिश कर ले लेकिन सच यह है कि पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक अब समाजवादी पार्टी के साथ मजबूती से खड़े हैं। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा से सामाजिक न्याय की राजनीति करती रही है और यही रास्ता आगे का भविष्य तय करेगा। जाति को खत्म करने की बजाय अगर समाज को समान अधिकार देने की दिशा में कदम उठाए जाते तो बेहतर होता, लेकिन भाजपा इसके उलट काम कर रही है। उन्होंने कहा कि जाति व्यवस्था को नकारने से पिछड़ों का हक छिन जाएगा। उन्होंने दोहराया कि मंडल कमीशन के आधार पर ही आरक्षण प्रणाली चली और इसी कारण पिछड़ी जातियों को समान अवसर मिल पाए। अगर जातिगत पहचान और दर्जे से इनकार किया गया तो यह समाज के बड़े वर्ग के हितों का हनन होगा।

पूर्व मुख्यमंत्री ने भाजपा को चुनौती दी कि वह बताए कि अब तक भ्रष्टाचार के मामलों में क्या कदम उठाए गए। उन्होंने कहा कि भाजपा केवल नारेबाजी करती है, लेकिन सच्चाई यह है कि उसके शासनकाल में जनप्रतिनिधि तक मंच से मान रहे हैं कि सरकारी व्यवस्था कमीशनखोरी से चल रही है। उन्होंने कहा कि गरीब और जरूरतमंद के हक की बात करने के बजाय भाजपा जनता को झूठे मुद्दों में भटकाने की कोशिश कर रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा का असली चेहरा जनता के सामने साफ हो चुका है और अब जनता इसे बखूबी समझ रही है।

लखनऊ में आयोजित इस प्रेस कांफ्रेंस में अखिलेश यादव के तेवर साफ दिखे। उन्होंने भाजपा पर सीधा हमला बोला और कहा कि पार्टी पीडीए की एकता से डर रही है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा का ध्यान जनता की समस्याओं और युवाओं के भविष्य को सुधारने पर नहीं है बल्कि वह साजिश करके असली मुद्दों से ध्यान भटका रही है। उन्होंने यह भी कहा कि अब समाजवादी पार्टी ही है जिस पर पीडीए समाज का भरोसा है और इस भरोसे को मजबूत करने की दिशा में पार्टी लगातार कार्य कर रही है।

इस बयान और आयोजन का नतीजा यह रहा कि अखिलेश यादव ने पार्टी कार्यकताओं में उत्साह का संचार किया और यह स्पष्ट संदेश दिया कि समाजवादी पार्टी भाजपा को हर मोर्चे पर चुनौती देती रहेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा की नीतियां जनता के खिलाफ हैं और आने वाले समय में समाजवादी पार्टी ही जनता की सच्ची आवाज बनेगी। अखिलेश यादव ने दावा करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी एकमात्र ऐसा विकल्प है जो भाजपा के भ्रष्टाचार, नफरत और भटकाने वाली राजनीति का जवाब दे सकती है।

वैश्विक पर्यटन केंद्र के रूप में उभर रहा है भारत

रमेश सर्राफ धमोरा

विश्व पर्यटन दिवस मानाने का उद्देश्य वैश्विक उद्योग के रूप में पर्यटन के महत्व तथा इसके सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक प्रभाव के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना है। विश्व पर्यटन दिवस मनाने से हमें पर्यटन के हम पर और हमारे आसपास की दुनिया पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में जागरूकता बढ़ाने में मदद मिलती है। इसमें दुनिया भर में इसके आर्थिक प्रभाव के साथ-साथ नैतिक, नैतिक और पशु कल्याण संबंधी विचार भी शामिल हैं।

संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन (यूएनडब्ल्यूटीओ) ने विश्व पर्यटन दिवस की स्थापना की। 1980 से हर साल 27 सितंबर को विश्व पर्यटन दिवस मनाया जाता है। इसी दिन यूनाइटेड नेशंस वर्ल्ड टूरिज्म ऑर्गनाइजेशन के कानूनों को अपनाया गया था। हर साल विश्व पर्यटन दिवस एक विशेष थीम के साथ मनाया जाता है। 2025 का विषय पर्यटन और हरित निवेश है। यह थीम स्थायी पर्यटन अवसंरचना और परियोजनाओं में निवेश की तत्काल आवश्यकता पर जोर देती है जो समुदायों और अर्थव्यवस्थाओं को समृद्ध बनाने के साथ-साथ हमारे ग्रह की रक्षा में भी मदद करें। हरित निवेश पर्यटन व्यवसायों और यात्रियों दोनों को ऐसे विकल्प चुनने के लिए प्रोत्साहित करता है जो उनके पर्यावरणीय प्रभाव को कम करें। नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा दें और सभी के लिए बेहतर भविष्य का निर्माण करें।

विश्व यात्रा एवं पर्यटन परिषद (डब्ल्यूटीटीसी) की नवीनतम आर्थिक प्रभाव प्रवृत्ति रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने 2025 में विश्व की सबसे बड़ी पर्यटन अर्थव्यवस्थाओं में अपने पिछले दसवें स्थान से 8वें स्थान पर एक महत्वपूर्ण छलांग लगाई है। रिपोर्ट में वैश्विक यात्रा क्षेत्र में भारत के बढ़ते कद पर प्रकाश डाला गया है और अनुमान है कि अगले दशक में यह चौथे स्थान पर होगा। भारत का पर्यटन क्षेत्र 2025 में 231.6 अरब डॉलर का योगदान देगा जो बुनियादी ढाँचे, विपणन और सेवा वितरण में मजबूत वृद्धि और रणनीतिक विकास को दर्शाता है। यह बढ़ता रुझान एक वैश्विक पर्यटन केंद्र के रूप में भारत की क्षमता को रेखांकित करता है और आर्थिक विस्तार एवं रोजगार को बढ़ावा देने में इस क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करता है।

देश के लिए बहुमूल्य विदेशी मुद्रा की कमाई करने में पर्यटन उद्योग का अच्छा खासा महत्व है। पर्यटन जिसे चिमनी विभिन्न उद्योग के नाम से भी जाना जाता हैं। आज भी लाखों लोगों को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार उपलब्ध करा रहा है। भारत दुनिया के उन चुनिंदा देशों में से है जहां कलात्मक, धार्मिक और प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर दर्शनीय स्थलों एवं कृतियों की कमी नहीं है। यही कारण है कि हजारों मील दूर रहने वाले विदेशी लोग भी पर्यटन के लिए यहां आने का लोभ छोड़ नहीं पाते हैं। यही नहीं देशी पर्यटक भी बड़ी तादाद में कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक फैले देश के विभिन्न पर्यटन केंद्रों पर देखे जा सकते हैं।

यूरोपीय देश जर्मनी, यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस, इटली और स्पेन प्रमुख खिलाड़ी बने हुए हैं। वहीं हांगकांग एसएआर, मलेशिया और फिलीपींस जैसे एशियाई गंतव्य पर्यटन के प्रमुख केंद्र के रूप में तेजी से अपनी पहचान बना रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन खर्च में तीव्र वृद्धि देखने वाले देशों में सऊदी अरब (+91.3%), तुर्की (+38.2%), केन्या (+33.3%), कोलंबिया (+29.1%), और मिस्र (+22.9%) शामिल हैं।

देश की अर्थव्यवस्था के विभिन्न पहलुओं पर नजर रखने वाले अर्थशास्त्रियों और नीति निर्धारकों ने लगभग एकमत से स्वीकार किया है कि देश में उपलब्ध पर्यटन क्षमता का समुचित रूप से इस्तेमाल नहीं किया जा रहा है। इस दिशा में अधिक प्रभावी व कारगर कदम उठाए जाने की आवश्यकता है। इसी नीति के तहत विभिन्न पर्यटन केंद्रों को प्रमुख छोटे-बड़े शहरों से जोड़ने के लिए दूरसंचार, सड़क और वायु परिवहन की अधिकाधिक सुविधा उपलब्ध कराने के लिए भारी निवेश की व्यवस्था की जा रही है। इसके अलावा परंपरागत पर्यटक केंद्रों के आसपास बुनियादी सुविधाएं व नए पर्यटन केंद्रों को विकसित करने पर जोर दिया जा रहा है। इस पूरे परिदृश्य से स्पष्ट होता है कि आगामी वर्षों में पर्यटन प्रबंधन तथा पर्यटक से जुड़े अन्य क्षेत्रों के विशेषज्ञों की बड़ी संख्या में मांग होगी। यह अवसर सरकारी से ज्यादा निजी क्षेत्रों में होने की अधिक संभावना जताई जा रही है।

विशेषज्ञों का मानना है कि आगामी दस वर्षों में पर्यटन आधारित अर्थव्यवस्था में भारत का स्थान विश्व में तीसरा हो जाएगा। देश में इस दौरान लगभग एक करोड़ नये रोजगार का इस क्षेत्र में सृजन होने की उम्मीद है। वर्ल्ड ट्रेवल एंड टूरिज्म कौंसिल द्वारा जारी रिपोर्ट में इस आशय की संभावनाओं की ओर इशारा किया गया है। अभी देश में लगभग चार करोड़ लोग टूर एंड टूरिज्म इंडस्ट्री के माध्यम से प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष तौर पर आजीविका हासिल कर रहे हैं।

भारत में पर्यटन सबसे बड़ा सेवा उद्योग है। जहां इसका राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में 6.23 प्रतिशत और भारत के कुल रोजगार में 8.78 प्रतिशत योगदान है। भारत में वार्षिक तौर पर 50 लाख विदेशी पर्यटकों का आगमन और 56 करोड़ घरेलू पर्यटकों द्वारा भ्रमण परिलक्षित होता है।

जीवनधारा नदियों के लुप्त होने का खतरा: संरक्षण का संकल्प

ललित गर्ग

नदियां मात्र जलधाराएं नहीं हैं, वे जीवन की धमनियां हैं, सभ्यता की जननी हैं और प्रकृति का शाश्वत उपहार हैं। मानव सभ्यता का इतिहास गवाह है कि हर संस्कृति और हर महान नगरी का उदय नदियों के तट पर हुआ। गंगा, सिंधु, नील, अमेजन, यांग्त्सी जैसी नदियाँ केवल भूगोल का निर्माण ही नहीं करतीं, बल्कि कृषि, व्यापार, परिवहन, ऊर्जा, आस्था और संस्कृति को भी दिशा देती हैं। विश्व स्तर पर हर वर्ष सितंबर के चौथे रविवार को मनाया जाने वाला विश्व नदी दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि नदियां हमारी अस्तित्व-रेखा हैं और उनका संरक्षण करना किसी विकल्प का नहीं बल्कि हमारे जीवन के अस्तित्व का प्रश्न है। 2005 में, संयुक्त राष्ट्र के ह्यजीवन के लिए जल दशकह्न की शुरूआत के उपलक्ष्य में, नदी अधिवक्ता मार्क एंजेलो ने विश्व नदी दिवस के गठन का प्रस्ताव रखा। यह अंतर्राष्ट्रीय प्रयास कनाडा में 1980 में एंजेलो द्वारा शुरू किए गए बीसी नदी दिवस की सफलता से प्रेरित था। विश्व नदी दिवस नदियों के महत्व को रेखांकित करता है और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नदियों की बेहतर देखभाल-संरक्षण-संवर्धन का समर्थन करते हुए जन जागरूकता बढ़ाने का प्रयास करता है। इस वर्ष की थीम ह्यहमारी नदियाँ, हमारा भविष्यह्न है, जो नदियों की रक्षा, जल अधिकारों को बनाए रखने और नदी प्रबंधन में स्थानीय समुदायों की आवाज को सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर केंद्रित है।

संयुक्त राज्य अमेरिका का लगभग 65 प्रतिशत पेयजल नदियों से आता है, इसी तरह भारत सहित अनेक देशों में पेयजल का मुख्य स्रोत नदियां ही है। नदियां हमें बिजली पैदा करने, फसलों को पानी देने और पीने योग्य पानी उपलब्ध कराती हैं। यही कारण है कि एम्स्टर्डम, बैंकॉक और बर्लिन जैसे समृद्ध शहर नदियों के किनारे बसे हैं। दुर्भाग्य यह है कि जिन नदियों ने हमें जीवन दिया, हमने उन्हीं को प्रदूषण और विनाश की गर्त में धकेल दिया। औद्योगिक इकाइयों का रासायनिक कचरा, नगरों का गंदा पानी, प्लास्टिक और घरेलू अपशिष्ट ने नदियों को गटर में बदल दिया है। अंधाधुंध बांध निर्माण और जलविद्युत परियोजनाओं ने उनकी प्राकृतिक धारा को बाधित किया है। धार्मिक आस्थाओं और अंधविश्वासों के नाम पर मूर्तियों और अस्थियों का विसर्जन नदियों की पवित्रता को विषाक्त बना रहा है। जलवायु परिवर्तन और ग्लेशियरों के पिघलने से नदियों के अस्तित्व पर संकट गहरा रहा है। भारत में गंगा, यमुना, चंबल, साबरमती जैसी नदियां इस प्रदूषण और शोषण का शिकार हैं, वहीं विश्व स्तर पर अमेजन, नील और डेन्यूब जैसी नदियां भी प्रदूषण और अत्यधिक दोहन की मार झेल रही हैं। पृथ्वी की आबादी का एक बड़ा हिस्सा अपनी जीविका के लिए मछलियों पर निर्भर है, इसलिए हमें औद्योगिक कचरे के कारण नदियों के क्षरण को सक्रिय रूप से रोकने और पानी के नीचे के पारिस्थितिकी तंत्र का संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता है।

नदियां केवल जल का स्रोत नहीं बल्कि जीव-जंतुओं और वन्य जीवन की धुरी हैं। असंख्य मछलियां, कछुए, पक्षी और जलीय प्राणी नदियों से अपना जीवन पाते हैं। जब नदी प्रदूषित होती है तो यह जैवविविधता समाप्त होने लगती है, खेत बंजर हो जाते हैं, भूजल स्तर गिर जाता है और प्रकृति का संतुलन बिगड़ने लगता है। नदियों की मृत्यु वास्तव में पृथ्वी/सृष्टि की मृत्यु है। इन परिस्थितियों में यह आवश्यक है कि नदियों के संरक्षण को हम केवल सरकारी योजनाओं या नीतियों तक सीमित न रखें, बल्कि इसे जनांदोलन का रूप दें। प्रदूषण पर कठोर नियंत्रण, जल प्रबंधन, वर्षा जल संचयन, शोधन संयंत्रों की अनिवार्यता और सामाजिक जागरूकता ही वे उपाय हैं जिनसे नदियों को नया जीवन दिया जा सकता है। गंगा एक्शन प्लान और नमामि गंगे जैसी योजनाएँ तभी सार्थक होंगी जब समाज ईमानदारी से अपने हिस्से का कर्तव्य निभाएगा। नदियों को गंदा करना आत्मघात है और उन्हें बचाना जीवन रक्षा का संकल्प।

भारत में कई नदियां सूखने या प्रदूषित होने के कारण मरने के कगार पर हैं। इन नदियों की हालत इतनी खराब हो गई है कि कुछ तो नालों में बदल गई हैं और उनका नदी होना भी मुश्किल है। तेजी से बढ़ते प्रदूषण, तथाकथित भौतिकवादी सोच एवं नदियों के प्रति उपेक्षा एवं दोहन के कारण कई नदियां अब ह्यमृतह्न होने की कगार पर है। गंगा और यमुना जैसी पवित्र नदियां भी दुनिया की प्रदूषित नदियों में शामिल हो चुकी है। नदियां के अत्यधिक खतरे में होने से मानव जीवन, पर्यावरण एवं प्रकृति भी संकट में है। जरूरत है मानसूनी जल को नदियों से जोड़ने एवं संरक्षित करने की। देश में सर्वत्र नदियों का अस्तित्व खतरे में है। विशेषतः उत्तर प्रदेश में नदियों की संख्या लगभग 1,000 है, जिनका 55 हजार किलोमीटर का नेटवर्क है। उनमें से 30 हजार किलोमीटर क्षेत्र में जल घटा है या सूखा है। प्रदेश की 100 छोटी और सहायक नदियां सूख चुकी हैं। बिहार की 50 से अधिक नदियां संकट में हैं।

इनमें 32 बड़ी नदियां सूख चुकी हैं, जबकि 18 में पानी थोड़ा बचा है। यमुना नदी भारत की सबसे प्रदूषित नदियों में से एक है और यह अत्यधिक प्रदूषण और पानी के अत्यधिक दोहन के कारण मरने के कगार पर है। साहिबी नदी, जो कभी दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान की एक महत्वपूर्ण नदी थी। हैरानी की बात है कि गंगा, सोन और अघवारा जैसी बड़ी नदियों में भी पानी कम है। उत्तराखंड में अल्मोड़ा-हल्द्वानी की लाइफलाइन कोसी और गौला नदियों का जलस्तर कम हो रहा है।

जलवायु परिवर्तन के कारण वर्षा के तरीकों में बदलाव आया है, जिससे कुछ क्षेत्रों में सूखे की स्थिति बढ़ गई है और नदियों में पानी का प्रवाह कम हो गया है।

नदियों से रेत का अवैध खनन भी नदियों के पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुंचा रहा है और नदियों के बहाव को बदल रहा है। जंगलों की कटाई से मिट्टी का कटाव बढ़ रहा है, जिससे नदियों में गाद जमा हो रही है और उनकी गहराई कम हो रही है। भारत नदियों का एक अनोखा देश है जहां नदियों को पूजनीय माना जाता है। गंगा, यमुना, महानदी, गोदावरी, नर्मदा, सिंधु (सिंधु), और कावेरी जैसी नदियों को देवी-देवताओं के रूप में पूजा जाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासन में बनाया गया जल शक्ति मंत्रालय, नदी घाटियों में आर्द्रभूमि के पुनरुद्धार और संरक्षण और नदी प्रदूषण के खतरनाक स्तर से निपटने पर ध्यान केंद्रित करता है। देश के समक्ष वाटर विजन 2047 प्रस्तुत किया गया है यानी आजादी के सौ वर्ष पूरे होने तक देश को प्रत्येक वह कार्य करना है, जो देश को पानी के मामलों में सबल बना सके। इसमें हमारी नदियां भी शामिल हैं।

नदियां मानव अस्तित्व का मूलभूत आधार है और देश एवं दुनिया की धमनियां हैं, इन धमनियों में यदि प्रदूषित जल पहुंचेगा तो शरीर बीमार होगा, लिहाजा हमें नदी रूपी इन धमनियों में शुद्ध जल के बहाव को सुनिश्चित करना होगा। नदियों को राष्ट्रीय संपत्ति घोषित किये जाने की जरूरत है। देश में नदी जल एवं नदियों के लिए कानून बने हुए है, आवश्यक हो गया है कि उस पर पुनर्विचार कर देश के व्यापक हित में विवेक से निर्णय लिया जाना चाहिए। हमारे राजनीतिज्ञ, जिन्हें सिर्फ वोट की प्यास है और वे अपनी इस स्वार्थ की प्यास को इस पानी से बुझाना चाहते हैं। यह किसी से छिपा नहीं है कि हमारे देश में गर्मी और लू के दिन जहां बढ़ रहे हैं, वहीं बरसात के दिन घटते जा रहे हैं।

अमेरिका यात्रा में हथियार और ड्रोन सौदों पर नजर रखेगा यूक्रेन

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेनी अधिकारी आने वाले दिनों में अमेरिका का दौरा करेंगे। इस यात्रा के दौरान बड़े पैमाने पर हथियार खरीद और ड्रोन उत्पादन से जुड़े समझौते किए जाने की संभावना है। जेलेंस्की इस सप्ताह संयुक्त राष्ट्र महासभा और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात के लिए अमेरिका में थे। उन्होंने कहा कि उन्होंने ट्रंप के साथ रूस की आक्रामक कार्रवाइयों का मुकाबला करने के लिए अपनी रणनीति साझा की है। यूक्रेन ने करीब 90 अरब डॉलर मूल्य के अमेरिकी हथियारों की सूची तैयार की है। जेलेंस्की के अनुसार, इसमें एक 'मेगा डील' शामिल है, जबकि अलग से एक 'ड्रोन डील' पर भी काम शुरू हो गया है। उन्होंने बताया कि इस समझौते के तहत अमेरिका सीधे यूक्रेन से ड्रोन खरीदेगा। पिछले साढ़े तीन सालों के युद्ध के दौरान यूक्रेन ने अपनी ड्रोन इंडस्ट्री खड़ी की है, लेकिन बड़े पैमाने पर उत्पादन के लिए आर्थिक संसाधनों की कमी है। हथियार और वायु रक्षा प्रणाली के लिए यूक्रेन अब भी पश्चिमी सहयोगियों पर निर्भर है। जेलेंस्की ने बताया कि हाल ही में इजराइल से मिला एक पैट्रियट मिसाइल डिफेंस सिस्टम यूक्रेन में तैनात कर दिया गया है, और दो और सिस्टम इस साल के अंत तक मिलने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि रूस की लगातार बढ़ती ड्रोन और मिसाइल हमलों की वजह से वायु रक्षा को मजबूत करना और नागरिकों की सुरक्षा सरकार की शीर्ष प्राथमिकता है।

अमेरिका ने की कोलंबियाई राष्ट्रपति का वीजा रद्द करने की घोषणा

वाशिंगटन। अमेरिका ने कोलंबियाई राष्ट्रपति गुस्टावो पेट्रो का वीजा रद्द करने की घोषणा की है। ऐसा पेट्रो के न्यूयॉर्क में एक फिलिस्तीनी प्रदर्शन के दौरान दिए गए विवादास्पद बयानों के बाद किया जा रहा है, जहां उन्होंने अमेरिकी सैनिकों से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेशों का पालन नहीं करने की अपील की थी। अमेरिकी विदेश विभाग ने इसे लापरवाह और भड़काऊ बयान करार देते हुए एक्स पोस्ट में कहा, आज कोलंबियाई राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने न्यूयॉर्क की सड़क पर खड़े होकर अमेरिकी सैनिकों से आदेशों का उल्लंघन करने और हिंसा भड़काने की अपील की। हम पेट्रो का वीजा रद्द कर देंगे। संयुक्त राष्ट्र महासभा की 80वें सत्र में भाग लेने के लिए पेट्रो न्यूयॉर्क पहुंचे थे। उन्होंने डाग हैमरश्क जोल्ड प्लाजा में हजारों प्रदर्शनकारियों को संबोधित किया जिसमें ब्रिटिश संगीतकार रोजर वाटर्स के साथ खड़े होकर उन्होंने फिलिस्तीन समर्थक रैली में हिस्सा लिया। वीडियो क्लिप्स में उन्हें अमेरिकी सैनिकों से कहते सुना जा सकता है, ÷ट्रंप के आदेशों का पालन न करें। मानवता के आदेशों का पालन करें! अपनी बंदूकें मानवता पर न तानें।पेट्रो ने ट्रंप को गाजा में नरसंहार का साझीदार भी बताया और अमेरिकी हवाई हमलों पर आपराधिक कार्रवाई की मांग की। ये हमले वेनेजुएला तट के पास मादक पदार्थों की तस्करी किए जाने के आरोप में किए गए थे। वामपंथी नेता पेट्रो ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में भी ट्रंप की आलोचना की थी।

चीन में 6,000 वर्ष पुराने प्रागैतिहासिक कालीन नगर स्थल की खोज

बीजिंग। चीन की प्राचीन सभ्यता के बारें में नए खुलासे के तौर पर यांगत्से नदी के निचले क्षेत्र में लगभग 6,000 वर्ष पुराने प्रागैतिहासिक कालीन नगर स्थल को खोज निकाला गया है। चीन की संवाद एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक पुरातत्व विशेषज्ञों ने पूर्वी झियांग्सू प्रांत में यांगत्से नदी के निचले हिस्से में अब तक के सबसे प्राचीन प्रागैतिहासिक नगर स्थल की खोज की है। यह स्थल डोउसहान गांव के पश्चिमी किनारे, झिबेई टाउनशिप वुशी शहर में स्थित है। इसका कुल क्षेत्रफल लगभग 2.5 लाख वर्ग मीटर है, लेकिन अभी तक लगभग 16 हजार वर्ग मीटर क्षेत्र का ही उत्खनन किया गया है। स्थल से मिले अवशेषों में मुख्यत नियोलिथिक युग (नवपाषाण युग) और बाद की सोंग्जे संस्कृति से जुड़ी वस्तुएं शामिल हैं। इनमें माटी की प्राचीर से निकले लाल रेतीली मिट्टी के बर्तन हैं जिनमें खाना पकाने के बर्तन, तिपाई और कटोरे प्रमुख हैं।

पाकिस्तान में 17 आतंकवादी मारे गए

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सुरक्षा बलों के एक अभियान के दौरान 17 आतंकवादी मारे गए है।

सेना ने शनिवार को यह जानकारी दी। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा, इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने एक बयान में कहा कि यह अभियान प्रांत के लक्की मरवत जिले में आतंकवादियों की कथित मौजूदगी के बाद चलाया गया। बयान में कहा गया है कि आतंकवादियों के ठिकाने से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद

भी बरामद किया गया एवं इलाके से आतंकवादियों की मौजूदगी को खत्म करने के लिए क्षेत्र में तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। सेना ने कहा कि पाकिस्तान के सुरक्षा बल देश से आतंकवाद के खतरे को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद भारत ने यूएन में भी पाकिस्तान को फिर से धोया, बिना नाम लिए बता दी कई सच्चाई

एजेंसी

वाशिंगटन। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 80वें सत्र में भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपना संबोधन दिया। विदेश मंत्री जयशंकर ने अपने यूएनजीए में 'भारत की जनता का नमस्कार' से अपना संबोधन शुरू किया। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दो संदर्भों में, उन्होंने 'भारत' शब्द का प्रयोग जोर देकर किया। 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत' अपने कर्तव्यों को समझते हुए, और 'भारत में पिछले दशक में प्रधानमंत्री मोदी की दूरदर्शिता के कारण परिवर्तनकारी बदलाव भी आए हैं।' एस जयशंकर की पोशाक की अगर बात करें, तो उन्होंने काले अस्तर वाला बंदगले का फॉर्मल पहना था, जिसकी जेब पर एक केसरिया रंग का रूमाल साफ दिखाई दे रहा था। उन्होंने कहा, 'दुनिया के प्रति अपने दृष्टिकोण में भारत तीन प्रमुख अवधारणाओं द्वारा

निर्देशित है, आत्मनिर्भरता, आत्मरक्षा और आत्मविश्वास।' अपने संबोधन के दौरान उन्होंने जो कुछ भी नहीं कहा, वह भी महत्वपूर्ण था, तीन देशों के नाम। उन्होंने 'एक ऐसे पड़ोसी जो वैश्विक आतंकवाद का केंद्र है' के बारे में बात करते हुए 'पाकिस्तान' का नाम लिए बिना ही जमकर निशाना साधा। यूएनजीए में जवाब देने के अधिकार के साथ भारत ने अपने पड़ोसी देश को कटघरे में खड़ा कर दिया। वहीं, पाकिस्तान ने स्वीकार किया कि जयशंकर के अनुसार, 'यह वही देश है, जो आतंकवाद का केंद्र है।' द्वितीय सचिव रेन्ताला श्रीनिवास ने कहा, यह बहुत ही चौंकाने वाली बात है कि एक पड़ोसी, जिसका नाम नहीं लिया गया था, ने फिर भी जवाब देने और सीमा पार आतंकवाद की अपनी लंबे समय से चली आ रही गतिविधियों को स्वीकार करने का फैसला किया। उन्होंने कहा, कोई भी तर्क या झूठ कभी भी टेररिस्तान के अपराधों को नहीं ढक सकता। पाकिस्तान दूसरी बार तब उलझ गया, जब उसने स्वीकार किया कि वह टेररिस्तान है। पाकिस्तान मिशन के द्वितीय सचिव मुहम्मद राशिद ने फिर से मंच संभाला और इस बात पर आपत्ति जताई कि भारत किसी देश के नाम को तोड़-मरोड़ रहा है। इसके साथ ही भारतीय प्रतिनिधित्व सदन से बाहर निकल गए।

शंघाई में आयुर्वेद दिवस समारोह, स्वस्थ जीवन के लिए आयुर्वेद के महत्व पर चर्चा

एजेंसी

शंघाई। भारतीय महावाणिज्य दूतावास की तरफ से यहां आयोजित 10वें आयुर्वेद दिवस समारोह में स्वस्थ जीवन के लिए आयुर्वेद की जरूरतों और उसकी वैश्विक महत्ता पर बल दिया गया। समारोह के स्वागत भाषण में महावाणिज्य दूत प्रतीक माथुर ने स्वास्थ्य और कल्याण पर आयुर्वेद के

सकारात्मक प्रभाव पर प्रकाश डालने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कथन का हवाला दिया। उन्होंने आयुर्वेद को स्वस्थ जीवन का मार्ग बताया। आयुर्वेदाचार्य डॉ. अनीता शर्मा ने 'आयुर्वेद द्वारा समग्र उपचार' विषय पर सारगर्भित व्याख्यान दिया गया। कार्यक्रम ने प्रतिभागियों को आयुर्वेद के बारे में अधिक जानने और स्वास्थ्य एवं कल्याण के लिए समग्र दृष्टिकोण खोजने का अवसर प्रदान किया।

चीन ने सफलतापूर्वक लॉन्च किया फेंगयुन 3-08 उपग्रह

एजेंसी

बीजिंग। चीन ने समूचे विश्व के मौसम का पूर्वानुमान लगाने के लक्ष्य से फेंगयुन-3-08 उपग्रह का सफलतापूर्वक प्रक्षेपण किया है। सरकारी संवाद एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार देश के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में स्थित जिउक्वान उपग्रह प्रक्षेपण केन्द्र से फेंगयुन-3-08 मौसम विज्ञान उपग्रह को सफलतापूर्वक अंतरिक्ष में प्रक्षेपित कर दिया गया। यह प्रक्षेपण मार्च-4सी कैरियर रॉकेट द्वारा स्थानीय समयानुसार सुबह 3 बजकर 28 मिनट पर किया गया। उपग्रह ने निर्धारित कक्षा में प्रवेश कर लिया है।

चाइना नेशनल स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (सीएनएसए) के अनुसार यह प्रक्षेपण लॉन्ग मार्च शृंखला के 596 वें उड़ान मिशन का प्रतीक है जो देश की अंतरिक्ष क्षमताओं को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है फेंगयुन-3-08 उपग्रह फेंगयुन मौसम उपग्रह परिवार का नवीनतम सदस्य है और यह नौ उन्नत रिमोट सेंसिंग पेलोड्स से लैस है। इनमें मध्यम-रिज़ॉल्यूशन स्पेक्ट्रल इमेजर और माइक्रोवेव इमेजर जैसे उपकरण शामिल हैं। यह उपग्रह मुख्य रूप से मौसम पूर्वानुमान, वायुमंडलीय रसायन विज्ञान और जलवायु परिवर्तन से जुड़ी निगरानी एवं शोध गतिविधियों का विवरण प्रदान करेगा। सीएनएसए के अनुसार उपग्रह के संचालन से चीन की मौसम विज्ञान प्रशासन (सीएमए) के विशेषज्ञों का मानना है कि इस उपग्रह से वैश्विक स्तर पर मौसम पूर्वानुमान की सटीकता और समयबद्धता के नए आयाम स्थापित हो सकेंगे। उल्लेखनीय है कि फेंगयुन शृंखला के उपग्रहों ने पहले ही 129 देशों और क्षेत्रों को डेटा उत्पाद और सेवाएं प्रदान की

वैश्विक मौसम पूर्वानुमान क्षमताओं को बढ़ावा मिलेगा। इससे वैश्विक जलवायु परिवर्तन का बेहतर तरीके से सामना किए जाने के साथ ही मौसम संबंधी आपदाओं की रोकथाम करने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त होगी।चीन के हैं। यह नया उपग्रह इस नेटवर्क को और मजबूत करेगा। यह उपग्रह वायुमंडलीय तापमान, आर्द्रता और ट्रेस गैसों की निगरानी करेगा जो प्राकृतिक आपदाओं जैसे बाढ़, सूखा और तूफानों की पूर्व चेतावनी में सहायक सिद्ध होगा।

बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश के जवान 2,857 दुर्गा पूजा मंडपों की सुरक्षा में

एजेंसी

ढाका। बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) की लगभग 430 टुकड़ियां देशभर के 2,857 दुर्गा पूजा मंडपों की सुरक्षा के लिए तैनात की गई हैं। बीजीबी ने एक बयान में कहा है कि सीमावर्ती क्षेत्रों सहित देशभर में कानून-व्यवस्था की स्थिति को नियंत्रित करने के लिए बीजीबी के 24 आधार शिविर स्थापित किए गए हैं। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, बीजीबी के अधिकार क्षेत्र में कुल 2,857 पूजा मंडपों में से 1,411 सीमावर्ती क्षेत्रों और 1,446 पूजा मंडप सीमावर्ती क्षेत्रों के बाहर स्थित हैं। द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, इस बीच हिन्दू संगठनों के नेताओं ने कहा कि हिंदुओं के सबसे बड़े धार्मिक त्योहार के दौरान मूर्तियों और मंदिरों पर हमले चिंताजनक हैं। मंडपों की तैयारियों के बीच 13 जिलों में मंदिरों और मूर्तियों को तोड़ने की घटनाएं हो चुकी हैं। मोहननगर सर्बोजनिन पूजा समिति के अध्यक्ष जयंत कुमार देब ने कल संवाददाता सम्मेलन में कहा, अगर हम भेदभाव-मुक्त बांग्लादेश बनाना चाहते हैं, तो हमें केवल पूजा के पांच दिनों की

> **मंडपों की तैयारियों के बीच 13 जिलों में मंदिरों और मूर्तियों को तोड़ने की घटनाएं हो चुकी हैं।**

सुरक्षा के बारे में नहीं, बल्कि पूरे 365 दिनों की सुरक्षा के बारे में सोचना होगा। यह चिंता मोहननगर सर्बोजनिन पूजा समिति और बांग्लादेश पूजा उद्जापन परिषद के ढाका के ढाकेश्वरी राष्ट्रीय मंदिर सभागार में संयुक्त रूप से आयोजित संवाददाता सम्मेलन में जताई गई। जयंत ने लिखित बयान में पूजा से पहले धार्मिक और जातीय अल्पसंख्यक नेताओं और निर्दोष लोगों के खिलाफ दर्ज झूठे और निराधार मामलों को वापस लेने की मांग की। पूजा उद्जापन परिषद के अध्यक्ष बासुदेव धर ने कहा कि हिन्दू समुदाय के कई लोग इन मनगढ़ंत मामलों के शिकार हुए हैं। उन्होंने सरकार से उन्हें पूजा में भाग लेने की अनुमति देने का अनुरोध किया। पूजा उद्जापन परिषद के सलाहकार सुब्रत चौधरी ने कहा कि मूर्तियों और मंदिरों को तोड़ने वालों को कानून के अनुसार दंडित किया जाना चाहिए। नेताओं ने आग्रह किया कि पूजा के दौरान सुचारू आवाजाही के लिए मेट्रो रेल रात 11 बजे तक खुली रहे। पूजा उद्जापन परिषद के अनुसार, इस वर्ष देश भर में 33,355 मंडपों में पूजा हो रही है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 1,894 अधिक है।

ईरान ने इजरायल के परमाणु कार्यक्रमों से जुड़े गोपनीय दस्तावेज उजागर किए

एजेंसी

तेहरान। ईरान सरकार के खुफिया मामलों के मंत्रालय ने इजरायल के परमाणु और सैन्य कार्यक्रमों से जुड़े विभिन्न गोपनीय दस्तावेजों को सार्वजनिक कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह खुलासा 'स्पाइडर का अड्डा' नामक डॉक्यूमेंट्री में किया गया है। इसे 25 सितंबर की रात इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग के जरिए प्रसारित किया गया।

खुफिया मामलों के मंत्री इस्माइल खतीब ने डॉक्यूमेंट्री में बताया है कि कि ईरानी खुफिया एजेंसी ने इजरायल के शोधकर्ताओं, वैज्ञानिकों और वरिष्ठ प्रोजेक्ट मैनेजरों की विस्तृत जानकारी हासिल की है जिसमें परमाणु सुविधाओं और रक्षा योजनाओं से जुड़े हजारों दस्तावेज शामिल हैं। डॉक्यूमेंट्री में इजरायली वैज्ञानिकों के पासपोर्ट की प्रतियां,

सैन्य स्थलों के स्थान और दिमोना रिएक्टर के अंदर की कथित फुटेज दिखाई गई। खतीब ने दावा किया कि इस साल जून में प्राप्त इस जानकारी का उपयोग ईरान ने इजरायल के संवेदनशील स्थानों पर हमला करने के लिए किया था।

यह खुलासा इजरायल-ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच किया गया है, जिसमें जून में इजरायली वायुसेना ने ईरान के परमाणु वैज्ञानिकों, यूरेनियम संवर्धन स्थलों और बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रमों पर हमला किया था। ईरान ने इसे 'अंतरराष्ट्रीय कानून का घोर उल्लंघन' बताते हुए निंदा की थी। ईरानी मीडिया के अनुसार ये दस्तावेज दो इजरायली नागरिकों, रॉय मिजराही और अल्मोग अतियास के माध्यम से प्राप्त हुए जिन्हें मई 2025 में इजरायली पुलिस ने ईरान के लिए जासूसी के संदेह में गिरफ्तार किया था। तास्नीम संवाद एजेंसी ने बताया कि ईरान का यह खुफिया अभियान अत्यंत गोपनीय और जटिल था जिसमें धन लाभ और इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के प्रति असंतोष से प्रेरित स्रोत शामिल थे। डॉक्यूमेंट्री में 189 इजरायली परमाणु वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों की व्यक्तिगत जानकारी भी प्रदर्शित की गई जो ईरान की खुफिया पैठ का दर्शाता है।

ईरान के खिलाफ फिर से यूएन प्रतिबंध लागू, राष्ट्रपति ने कहा- 'आसमान नहीं टूट पड़ा'

एजेंसी

दुबई। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने संयुक्त राष्ट्र द्वारा परमाणु कार्यक्रम को लेकर लगाए जा रहे वैश्विक प्रतिबंधों को लेकर कहा कि यह आसमान टूटने जैसा नहीं है। न्यूयॉर्क से लौटते समय उन्होंने राज्य टीवी को दिए बयान में कहा कि यदि ईरान कमजोर रहा तो उस पर दबाव बढ़ेगा, लेकिन एकजुट रहने पर किसी संकट से डरने की जरूरत नहीं है। प्रतिबंधों के बहाल होने की घोषणा के साथ ही ईरान ने ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी में अपने राजदूतों को परामर्श के लिए वापस बुला लिया है। ईरान ने चेतावनी दी है कि पश्चिमी देशों को इस कदम के गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। तीन यूरोपीय देशों (ई3) ने आरोप लगाया है कि ईरान ने 2015 के परमाणु समझौते का उल्लंघन किया है, जिसका उद्देश्य परमाणु हथियार निर्माण को रोकना था। हालांकि ईरान ने परमाणु हथियार बनाने की मंशा से हमेशा इनकार किया है और कहा है कि वह परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) से बाहर नहीं जाएगा। प्रतिबंधों की वापसी से ईरान की पहले से कमजोर अर्थव्यवस्था पर और दबाव बढ़ेगा। इसमें संपत्ति फ्रीज, यात्रा प्रतिबंध, हथियारों पर रोक, यूरेनियम संवर्धन और बैलिस्टिक मिसाइल गतिविधियों पर प्रतिबंध शामिल हैं। इस बीच, ईरानी मुद्रा रियाल 27 सितम्बर को रिकॉर्ड स्तर पर गिरकर 11,23,000 प्रति अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गई। रूस और चीन ने सुरक्षा परिषद में इस कदम को टालने की कोशिश की, लेकिन केवल चार देशों का समर्थन मिलने के कारण उनका प्रस्ताव गिर गया। पश्चिमी देशों का मानना है कि ईरान गुप्त रूप से परमाणु हथियार बनाने की कोशिश कर रहा है, जबकि तेहरान का दावा है कि उसका कार्यक्रम केवल शांति पूर्ण उद्देश्यों जैसे बिजली उत्पादन के लिए है।

अमेरिका के नॉर्थ कैरोलिना में गोलीबारी से हड़कंप, तीन की मौत, कई घायल

एजेंसी

उत्तरी कैरोलिना। अमेरिका के उत्तरी कैरोलिना के एक रेस्टोरेंट में फायरिंग में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने घटना की पुष्टि करते हुए मामले की जांच तेज कर दी है। पुलिस के अनुसार, हमले के दौरान कम से कम सात लोगों को गोली लगी, जिनमें से तीन की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। अन्य घायलों को स्थानीय अस्पतालों में ले जाया गया। अधिकारियों का कहना है कि घायलों की स्थिति की जानकारी ली जा रही है। इसके बाद ही कोई जानकारी साझा की जाएगी।

सिटी मैनेजर नोआ साल्डो ने पुष्टि की कि एक नाव रेस्टोरेंट के पास आकर रुकी और भीड़ पर फायरिंग की जाने लगी। इसके बाद नाव घटनास्थल से तेजी से निकल

गई। उन्होंने कहा, कई लोगों को अस्पताल ले जाया गया है। संभव है कि ये आंकड़े बदल सकते हैं। नगर प्रशासन ने निवासियों से उस क्षेत्र से दूर और घर के अंदर रहने की अपील की है। इसके साथ ही किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत 911 पर सूचना देने का आग्रह किया है। एक सार्वजनिक बयान में दोहराया गया है कि घायलों की पुष्टि हो गई है, लेकिन सटीक संख्या अभी भी अनिश्चित है। ब्रंसविक काउंटी शेरिफ कार्यालय ने पुष्टि की है कि वे इस स्थिति से निपटने में साउथपोर्ट पुलिस विभाग की सहायता कर रहे हैं। शेरिफ कार्यालय ने कहा, ब्रंसविक काउंटी शेरिफ कार्यालय, पूरे काउंटी में कई कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ, साउथपोर्ट शहर के पुलिस विभाग की सहायता कर रहा है। सभी प्रभावित लोगों के साथ-साथ हमारे प्रथम प्रतिक्रियाकर्ताओं के प्रति अपनी संवेदना और प्रार्थनाओं को बनाए रखें। अमेरिकन फिश कंपनी के पास घटी इस घटना की जांच जारी है और अधिकारी संदिग्ध की तलाश जारी रखे हुए हैं।

पाकिस्तान, चीन, ईरान, रूस ने अफगानिस्तान में आतंकी समूहों की मौजूदगी पर चिंता जताई

एजेंसी

न्यूयॉर्क। पाकिस्तान, चीन, ईरान और रूस ने अफगानिस्तान में आतंकवादी समूहों की मौजूदगी पर गहरी चिंता व्यक्त की है। चारों देशों ने संयुक्त बयान में अल-कायदा, तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी), बलोचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) जैसे आतंकी समूहों के नामों का उल्लेख किया है। इन देशों ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 80वें सत्र के दौरान रूस के तत्वावधान में आयोजित अफगानिस्तान पर अपनी चौथी चतुर्पक्षीय बैठक के बाद यह बयान जारी किया। पाकिस्तान के जियो न्यूज चैनल की रिपोर्ट के अनुसार, यह बयान बैठक के समापन होते ही जारी किया गया। चारों देशों ने बिगड़ते अफगान हालात की समीक्षा की और चेतावनी दी कि आतंकवादी समूह क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा दोनों के लिए गंभीर खतरा पैदा कर रहे हैं। बयान में अफगान शासकों से आतंकवादी समूहों के खिलाफ प्रभावी कदम और इनके प्रशिक्षण शिविरों को नष्ट करने का आग्रह किया गया। पाकिस्तान का आरोप है कि 2021 में तालिबान शासकों की अफगानिस्तान में वापसी के बाद सीमा पार से होने वाली आतंकवादी घटनाओं में वृद्धि हुई है। दोनों देश लगभग 2,500 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करते हैं। इसमें कई क्रॉसिंग पॉइंट हैं। संयुक्त वक्तव्य

में अफगानिस्तान को एक स्वतंत्र, एकजुट और शांतिपूर्ण राज्य, आतंकवाद, युद्ध और नशीले पदार्थों से मुक्त के रूप में समर्थन देने की पुष्टि की गई। चारों पक्षों ने अफीम की खेती को कम करने के काबुल के प्रयासों का स्वागत किया, लेकिन मेथामफेटामाइन जैसी सिंथेटिक दवाओं के बढ़ते चलन पर चिंता व्यक्त की।

रूस को संयुक्त राष्ट्र की एविएशन काउंसिल में जगह नहीं मिली

एजेंसी

मॉन्ट्रियल। संयुक्त राष्ट्र की अंतरराष्ट्रीय नागर विमानन संगठन (आईसीएओ) की गवर्निंग काउंसिल में रूस को दोबारा जगह बनाने की कोशिश असफल रही। 36 देशों की इस परिषद में चुने जाने के लिए आवश्यक समर्थन रूस को नहीं मिल सका। आईसीएओ की यह बैठक 03 अक्टूबर तक मॉन्ट्रियल में चलेगी। परिषद वैश्विक नागरिक उड्डयन सुरक्षा मानकों को तय करती है और इसमें सदस्य देशों की अहम भूमिका होती है। रूस ने 2022 में यूक्रेन पर हमले के बाद काउंसिल के पहले हिस्से में अपनी सीट गंवा दी थी, जिसमें अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, चीन और ब्राजील जैसे प्रमुख देश शामिल हैं। इस बार भी पर्याप्त वोट न मिलने के बाद रूसी प्रतिनिधि ने पुनः मतदान की मांग की। रूस पर यूक्रेन युद्ध के अलावा वैश्विक नेविगेशन और जीपीएस सिस्टम में व्यवधान डालने का आरोप भी है, जिसे मॉस्को खारिज करता है। अमेरिका ने रूस को अंतरराष्ट्रीय समझौतों और मानकों का 'सबसे बड़ा उल्लंघनकर्ता' बताया और कहा कि उसकी मौजूदगी वैश्विक हवाई सुरक्षा के लिए खतरा है।

पाकिस्तान के जहरीले भाषण और 'आतंकवादी देश' कबूलनामे पर भारत का यूएनजीए से वॉकआउट

एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र। भारत ने यूएन जनरल असेंबली से वॉकआउट किया, क्योंकि पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ जहर उगला और साथ ही यह भी स्वीकार किया कि वह 'आतंकवाद का गढ़' है। उसने यह भी स्वीकार किया कि वह वैश्विक आतंकवाद का केंद्र था। उन्होंने पाकिस्तान का नाम नहीं लिया, लेकिन यह एक जाल था और पाकिस्तान उसमें फंस गया।

यूएन मिशन में दूसरे सेक्रेटरी मोहम्मद राशिद ने जयशंकर के भाषण पर जवाब देते हुए कहा कि यह पाकिस्तान की छवि खराब करने की कोशिश थी। इस पर भारत ने तुरंत पलटवार करते हुए उसे उसके अपने ही बयानों के जाल में फंसा दिया। भारत के संयुक्त राष्ट्र मिशन में दूसरे सचिव रेंटला श्रीनिवास ने कहा, 'यह महत्वपूर्ण है कि जिस पड़ोसी देश का नाम नहीं लिया गया, उसने भी इस पर प्रतिक्रिया दी और सीमा पार आतंकवाद की अपनी पुरानी नीति को स्वीकार किया।' उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की छवि सबके सामने है। आतंकवाद के निशान इतने साफ हैं कि यह कई देशों में दिखता है। यह न सिर्फ पड़ोसियों के लिए, बल्कि पूरी दुनिया के लिए खतरा है। उन्होंने आगे कहा कि कोई तर्क या झूठ 'आतंकिस्तान' के अपराधों को छिपा नहीं सकता। राशिद गुस्से में लौटा और स्वीकार किया कि पाकिस्तान टेररिस्तान है। 'टेररिस्तान' शब्द के इस्तेमाल का विरोध करते हुए, राशिद ने कहा कि भारत एक देश के नाम को, जो संयुक्त राष्ट्र का सदस्य है, विकृत कर रहा है। राशिद के बोलते समय भारत ने सभा कक्ष से वॉकआउट कर दिया। संयुक्त राष्ट्र में यह आम बात है कि देश तब तक जवाब देने का

अधिकार नहीं इस्तेमाल करते, जब तक उनका नाम स्पष्ट रूप से न लिया जाए, भले ही उनके बारे में इशारों या सूक्ष्म संकेतों से बात की जाए। सार्वजनिक रूप से गुस्से में प्रतिक्रिया देना यह स्वीकार करने जैसा है कि उनके खिलाफ ही कोई आरोप या अप्रिय टिप्पणी की गई थी। अपने भाषण में जयशंकर ने कहा कि दशकों से बड़े अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी हमलों का संबंध एक ही देश से जोड़ा जाता है। संयुक्त राष्ट्र की आतंकवादियों की सूची में उस देश के नागरिकों के नाम भरे पड़े हैं। उन्होंने संकेत देते हुए कहा कि हाल ही में अप्रैल में पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों की हत्या सीमा पार बर्बरता का उदाहरण है। 'ऑपरेशन सिंदूर' का नाम लिए बिना उसका बचाव करते हुए उन्होंने कहा कि भारत ने अपने लोगों को आतंकवाद से बचाने का अधिकार इस्तेमाल किया और इसके आयोजकों व अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाया। आतंकवाद एक साझा खतरा है, इसलिए इसके खिलाफ गहरे अंतरराष्ट्रीय सहयोग की जरूरत है।' उन्होंने कहा कि जब देश खुले तौर पर आतंकवाद को अपनी नीति घोषित करते हैं, जब आतंक के अड्डे बड़े पैमाने पर काम करते हैं, जब आतंकियों का सार्वजनिक रूप से महिमामंडन होता है, तो ऐसी हरकतों की कड़े शब्दों में निंदा होनी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि जो देश आतंकवाद को बढ़ावा देने वालों का समर्थन करते हैं, उन्हें यह समझना चाहिए कि यह उनके लिए भी खतरनाक साबित होगा।

चावल-गेहूं नरम, चीनी मजबूत, खाद्य तेलों-दालों में घट-बढ़

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह चावल के औसत भाव में नरमी रही। गेहूं में भी मंदी देखी गयी। चीनी के भाव बढ़ गये जबकि खाद्य तेलों और दालों में उतार-चढ़ाव रहा। घरेलू थोक जिंस बाजारों में सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत छह रुपये घटकर सप्ताहांत पर 3,836.87 रुपये प्रति क्विंटल पर रही। गेहूं 23 रुपये सस्ता होकर 2,839.85 रुपये प्रति क्विंटल के भाव बिका। आटे की कीमत भी छह रुपये घट गयी और सप्ताहांत पर यह 3,317.28 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा। बीते सप्ताह सरसों तेल की औसत कीमत 129 रुपये प्रति क्विंटल गिरी। मूंगफली तेल में भी 41 रुपये और सोया तेल में 50 रुपये प्रति क्विंटल फिसल गया। सूरजमखी तेल 39 रुपये और पाम ऑयल सात रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। वनस्पति की कीमत भी 52 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। दाल-दलहनों में मसूर दाल की औसत कीमत में 17 रुपये की साप्ताहिक तेजी दर्ज की गयी। चना दाल की कीमत 34 रुपये और मूंग दाल की 31 रुपये प्रति क्विंटल घट गयी। तुअर दाल 34 रुपये और उड़द दाल 61 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई।

गुड़-चीनी : सप्ताह के दौरान मीठे के बाजार में गुड़ के औसत भाव करीब दो रुपये प्रति क्विंटल घट गये। वहीं चीनी में छह रुपये प्रति क्विंटल की तेजी रही।

एफपीआई ने सितंबर में बेची 17,551 करोड़ रुपये की इक्विटी

मुंबई। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने सितंबर में अब तक शेयर बाजार में 17,551 करोड़ रुपये की इक्विटी की शुद्ध बिकवाली की है। यह निवेशकों द्वारा निकाली गयी कुल राशि और उनके द्वारा लगायी गयी कुल राशि का अंतर होता है। सीडीएसएल के आंकड़ों के अनुसार, सितंबर में एफपीआई ने शेयर बाजार से 17,551 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की। उन्होंने म्यूचुअल फंड से भी 1,192 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की। वहीं एफपीआई ने डेट में 12,770 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया। हाइब्रिड में उन्होंने 134 करोड़ रुपये का निवेश किया। इस प्रकार सितंबर में उन्होंने भारतीय पूंजी बाजार से 5,836 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की। यह लगातार चौथा महीना है जब एफपीआई बिकवाल रहे हैं। इससे पहले अगस्त में उन्होंने 20,635 करोड़ रुपये, जुलाई में 5,261 करोड़ रुपये और जून में 7,769 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की थी। इस साल मार्च और मई को छोड़कर अन्य सात महीने एफपीआई ने भारतीय पूंजी बाजार से पैसे निकाले हैं। पूरे कैलेंडर वर्ष में उन्होंने कुल 77,875 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की है।

होटल-रेस्त्रां संचालकों की मांग, महंगे कमरों और खाने पर भी हो पांच प्रतिशत जीएसटी

नई दिल्ली। होटल और रेस्त्रां संचालकों के एक संगठन ने सरकार से 7,500 रुपये से महंगे कमरों और होटलों में सर्व किये जाने वाले खाने पर भी वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की दर घटाकर पांच प्रतिशत करने की मांग की है। भारतीय होटल एवं रेस्त्रां महासंघ (एफएचआरएआई) की हुई 69वीं आम बैठक में सुरेंद्र कुमार जायसवाल को अध्यक्ष चुना गया। उन्होंने बाद में आयोजित एक प्रेस वार्ता में बताया कि संगठन ने सरकार से 7,500 रुपये से महंगे होटलों को भी पांच प्रतिशत जीएसटी स्लैब में लाने की मांग की है। साथ ही होटलों में स्थित रेस्त्रां को भी 18 प्रतिशत के स्लैब से निकालकर पांच प्रतिशत के दायरे में लाने की भी संगठन मांग कर रहा है। उल्लेखनीय है कि जीएसटी परिषद ने 22 सितंबर से लागू बदलावों में 7,500 रुपये तक दैनिक किराये वाले होटल के कमरों को 12 प्रतिशत के स्लैब से हटाकर पांच प्रतिशत के स्लैब में रखा है। हालांकि इसमें इनपुट टैक्स क्रेडिट का दावा नहीं किया जा सकेगा। श्री अग्रवाल ने कहा कि महासंघ सरकार से मांग कर रहा है कि होटलों में किसी आयोजन के मौकों पर बजने वाले या प्रस्तुत संगीत के कॉपी राइट का मुद्दा भी हल करे। इस पर सरकार से बात चल रही है। उन्होंने कहा कि इसका पैसा उपयोगकर्ता से लिया जाना चाहिये।

टीवीएस ने 9,600 रुपये तक कम किये दुपहिया के दाम

नई दिल्ली। टीवीएस ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में हाल में हुये सुधारों के बाद अपने दुपहिया वाहनों की कीमतों की नयी सूची जारी की जिसमें कीमतों में 9,600 रुपये तक की कटौती की गयी है। कंपनी ने बताया कि टीवीएस एक्सएल 100 में सबसे कम 3,854 रुपये की कटौती की गयी है जबकि टीवीएस एनटॉर्क 150 के दाम सबसे अधिक 9,600 रुपये कम किये गये हैं। जीएसटी परिषद द्वारा 03 सितंबर को घोषित सुधार 22 सितंबर से पूरे देश में लागू हो गये हैं। इसमें 350 सीसी तक के दुपहिया वाहनों पर कर की दर 28 फीसदी से घटाकर 18 फीसदी कर दी गयी है। हालांकि 350 सीसी के अधिक के दुपहिया पर 28 प्रतिशत की बजाय अब 40 प्रतिशत कर हो गया है।

'बीएसएनएल एक शक्तिशाली प्रणाली बन गई है'

एजेंसी

विजयवाड़ा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने विजयवाड़ा में भारत संचार निगम (बीएसएनएल) की ओर से आयोजित कार्यक्रम में 4जी सेवाओं का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर उन्होंने दूरसंचार के क्षेत्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यों की सराहना की। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने बीएसएनएल के स्वदेशी 4जी नेटवर्क के उद्घाटन अवसर पर सिर्फ़ रोज़गार के बजाय उत्पाद निर्माण पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की पहल की सराहना की, पेटेंट पर ज़ोर दिया और 2047 तक भारत के वैश्विक नेतृत्व में उभरने की भविष्यवाणी की। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू ने कहा कि अब बीएसएनएल एक शक्तिशाली प्रणाली बन गई है। इसके साथ ही भारतीय अब दुनिया में शक्तिशाली बन गए हैं।अद्भुत नवाचार बड़ी संख्या में आ रहे हैं। उन्हें कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा कि 4जी 2010 में आया, 5जी 2020 में आया और अब 6जी सेवाएं 2030 में आएंगी। हर दस साल में नए नवाचार जुड़ते जा रहे हैं। बीएसएनएल से और

भी नए नवाचार आने चाहिए। चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि बीएसएनएल की सेवाएं भी अब और व्यापक हो गई हैं। बीएसएनएल की ओर से निजी कंपनियों से प्रतिस्पर्धा करने के लिए बेहतर सेवाएं प्रदान की हैं। भारत अब दूरसंचार उपकरण निर्माण में भी आत्मनिर्भर बन गया है और अब वह इस क्षेत्र में दुनिया के उन चुनिंदा देशों की सूची में शामिल हो गया है, जिनके पास खुद की तकनीक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश में कई सुधार दूरदर्शिता के साथ लाएं हैं। प्रधानमंत्री देश में क्वांटम मिशन लेकर आए हैं। पहली क्वांटम कंप्यूटिंग जनवरी में अमरावती में आएगी। सुरक्षा के लिए क्वांटम कंप्यूटर ज़रूरी है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हम एक निश्चित पद्धति पर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में सौ से भी अधिक देशों को टीके देने का श्रेय नरेन्द्र मोदी को जाता है। प्रधानमंत्री की अगुवाई में आज हमारा देश बड़े पैमाने पर स्वदेशी वस्तुओं का निर्माण कर रहा है। दुनिया भर के तमाम ऐसे देश हैं, जहां हमारे द्वारा निर्मित उत्पादों का उपयोग किया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज ओडिशा के झारसुगुड़ा से पूरे देश में स्वदेशी 4जी सेवा का शुभारंभ किया। सरकारी दूरसंचार कंपनी ने 98,000 साइट्स पर नेटवर्क एक्टिवेट कर दिया है, जिससे अब हर राज्य में हाई-स्पीड कनेक्टिविटी मिलेगी। इस कदम के साथ बीएसएनएल ने निजी ऑपरेटर्स की तरह पैन-इंडिया 4जी कवरेज की उपलब्धता हासिल कर ली है।

एचडीएफसी बैंक की दुबई शाखा को स्थानीय नियामक ने नए ग्राहक जोड़ने से रोका

एजेंसी

नई दिल्ली। एचडीएफसी बैंक की दुबई अंतरराष्ट्रीय वित्तीय केंद्र (डीआईएफसी) शाखा को स्थानीय नियामक ने नए ग्राहक जोड़ने से रोक दिया है। एचडीएफसी बैंक ने एक बयान में बताया कि उसने दुबई वित्तीय सेवा प्राधिकरण (डीएफएसए) के नोटिस का अनुपालन करने के लिए जरूरी कदम उठाए हैं। बैंक ने कहा है कि उसे इससे कोई खास असर नहीं दिख रहा है। हालांकि, एचडीएफसी बैंक के खिलाफ कार्रवाई के लिए जिम्मेदार कथित उल्लंघनों का सटीक विवरण अभी स्पष्ट नहीं है। स्टॉक एक्सेंचज को देर शाम दी जानकारी में एचडीएफसी बैंक ने कहा है कि उसे डीएफएसए से निर्णय नोटिस मिला है, जिसमें डीआईएफसी शाखा के

द्वारा आउटलेट में शामिल न किए गए ग्राहकों को दी जाने वाली वित्तीय सेवाओं और दुबई अंतरराष्ट्रीय वित्तीय शाखा में ग्राहकों की ऑनबोर्डिंग से संबंधित कथित उल्लंघनों की ओर इशारा किया गया है। बैंक ने खुलासा किया कि उसे ग्राहकों से संपर्क करने से भी रोक दिया गया है, लेकिन उसने यह भी कहा कि वह मौजूदा ग्राहकों को सेवाएं देना जारी रख सकता है। एचडीएफसी बैंक ने कहा कि डीआईएफसी शाखा में संयुक्त खातों सहित 1,489 ग्राहक हैं।

सर्राफा बाजार में तेजी का रुख, नए शिखर पर पहुंची चांदी की कीमत

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोना और चांदी के भाव में तेजी का रुख बन गया है। आज सोना 420 रुपये से लेकर 460 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हुआ है। इसी तरह चांदी की कीमत आज 3,200 रुपये प्रति किलोग्राम तक उछल गई है। इस तेजी के कारण चांदी ने आज एक बार फिर मजबूती का नया रिकॉर्ड बना दिया है। कीमत में हुई बढ़ोतरी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,14,890 रुपये से लेकर 1,15,040 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,05,310 रुपये से लेकर 1,05,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,43,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,15,040 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,05,460 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,14,890 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत 1,05,360 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,14,890 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,05,310 रुपये प्रति 10 ग्राम की

और 22 कैरेट सोना 1,05,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,14,940 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,14,890 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,05,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

एनटीपीसी ने सौंपा 3,248 करोड़ के अंतिम लाभांश का चेक

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी राष्ट्रीय तापविद्युत निगम लिमिटेड (एनटीपीसी) ने सरकार को 3,248 करोड़ रुपये का अंतिम लाभांश दिया है।

कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए बिजली मंत्रालय को अंतिम लाभांश का भुगतान किया है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि एनटीपीसी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक गुरदीप सिंह ने निदेशक मंडल के साथ 25 सितंबर को बिजली सचिव पंकज अग्रवाल की उपस्थिति में केंद्रीय बिजली मंत्री मनोहर लाल को 3,248 करोड़ रुपये के अंतिम लाभांश का चेक सौंपा। एनटीपीसी की ओर से सौंपी गई यह राशि नवंबर 2024 में 2,424 करोड़

रुपये के पहले अंतरिम लाभांश और फरवरी 2025 में दिए गए 2,424 करोड़ रुपये के दूसरे अंतरिम लाभांश के अतिरिक्त है। इस तरह पिछले वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भुगतान किया गया कुल लाभांश 8,096 करोड़ रुपये है, जो 10 रुपये के अंकित मूल्य वाले प्रत्येक शेयर पर 8.35 रुपये बैठता है। यह लगातार 32वां वर्ष है, जब एनटीपीसी लिमिटेड ने लाभांश का भुगतान किया।

सरकार ने आईएसआई विधेयक, 2025 के मसौदे पर टिप्पणियां आमंत्रित कीं

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने भारतीय सांख्यिकी संस्थान (आईएसआई) विधेयक, 2025 के मसौदे पर टिप्पणियां आमंत्रित कीं है। इस विधयेक का मसौदा जारी कर दिया है। इसका उद्देश्य आईएसआई को विश्व स्तरीय शिक्षा, शोध और नीति समर्थन प्रदान करने के लिए सशक्त बनाना है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) ने जारी एक बयान में बताया कि उसने 25 सितंबर से सार्वजनिक परामर्श के लिए भारतीय सांख्यिकी संस्थान विधेयक, 2025 का मसौदा जारी कर दिया है। मंत्रालय ने पूर्व-विधायी परामर्श प्रक्रिया के तहत सभी हितधारकों और आम जनता से टिप्पणियां और सुझाव आमंत्रित किए हैं। इस मसौदा विधेयक और टिप्पणियां भेजने के लिए निर्धारित प्रारूप मंत्रालय की वेबसाइट https://new.mospi.gov.in पर उपलब्ध है। इसके सुझाव 24 अक्टूबर, 2025 तक एमएस वर्ड या पीडीएफ प्रारूप में capisi-

mospi[at]gov[dot]in पर ईमेल द्वारा भेजे जा सकते हैं।

मंत्रालय के मुताबिक अनुसार डॉ. आर. ए. माशेलकर की अध्यक्षता में 2020 में गठित समिति ने अपनी रिपोर्ट में शासन को मजबूत करने, शैक्षणिक कार्यक्रमों का विस्तार करने और आईएसआई को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने के लिए बड़े सुधारों की सिफारिश की है। उपरोक्त सिफारिश को ध्यान में रखते हुए प्रस्तावित मसौदा विधेयक निम्नलिखित मार्गदर्शक सिद्धांतों पर आधारित हैः- उत्कृष्टताः- शैक्षणिक अनुशासनात्मक उत्कृष्टता, वैश्विक प्रतिस्पर्धा और नवाचार को बढ़ावा देना।

प्रभावी शासनः- स्पष्ट संस्थागत संरचनाओं की स्थापना, निर्णय लेने को सुव्यवस्थित करना, तथा नेतृत्व और प्रशासन में ईमानदारी को बरकरार रखना।

स्वायत्तताः- संस्थान को अपने दैनिक कामकाज और योजना निर्माण क्षेत्र में अधिक निर्णय लेने की शक्तियां प्रदान करना।

जवाबदेहीः- हितधारकों के प्रति पारदर्शिता, निगरानी और जवाबदेही सुनिश्चित करना।

प्रस्तावित सुधारों का उद्देश्य 21वीं सदी में आईएसआई की पूरी क्षमता को उजागर करना है। आईएसआई को अन्य राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों के कानूनी और प्रशासनिक ढांचे के साथ जोड़कर, सरकार विश्वस्तरीय शिक्षा, शोध और नीतिगत समर्थन प्रदान करने की इसकी क्षमता को मज़बूत करना चाहती है।

बीएसई की शीर्ष 10 कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 2,99,661 करोड़ रुपये घटा

एजेंसी

मुंबई। घरेलू शेयर बाजारों में बीते सप्ताह रही जबरदस्त गिरावट के कारण सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों का बाजार पूंजीकरण (एमकैप) 2,99,661 करोड़ रुपये घट गया। एमकैप के मामले में सबसे अधिक 97,598 करोड़ रुपये का नुकसान टीसीएस को हुआ और एमकैप के मामले में वह तीसरे से खिसककर चौथे स्थान पर आ गयी। इसके बाद रिलायंस इंडस्ट्रीज को 40,462 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। इंफोसिस का बाजार पूंजीकरण 38,096 करोड़ रुपये, एचडीएफसी बैंक का

33,033 करोड़ रुपये और आईसीआईसीआई बैंक का 29,647 करोड़ रुपये कम हुआ। सप्ताह के दौरान भारती एयरटेल के एमकैप में 26,030 करोड़ रुपये, एलआईसी में 13,694 करोड़ रुपये और इंफोसिस में 11,278 करोड़ रुपये की गिरावट रही। बजाज फाइनेंस का बाजार पूंजीकरण 4,978 करोड़ रुपये और भारतीय स्टेट बैंक का 4,846 करोड़ रुपये घट गया। बाजार पूंजीकरण के मामले में रिलायंस इंडस्ट्रीज 18,64,436 करोड़ रुपये के साथ अब भी शीर्ष पर बनी हुई है। एचडीएफसी बैंक 14,51,783 करोड़ रुपये के साथ दूसरे और भारती एयरटेल 10,92,923 करोड़ रुपये के साथ तीसरे स्थान पर है।

वित्त मंत्री सीतारमण तीन अक्टूबर को कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन का करेंगी उद्घाटन

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण तीन अक्टूबर को यहां के ताज पैलेस में आयोजित होने वाले तीन दिवसीय कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन (केईसी 2025) के चौथे संस्करण का उद्घाटन करेंगी। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि सीतारमण 'अशांत समय में समृद्धि की तलाश' विषय पर 3-5 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले चौथे कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन (केईसी 2025) का उद्घाटन करेंगी। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर 5 अक्टूबर को भारत की विदेश और आर्थिक नीति पर विचार-विमर्श के साथ इस

सम्मेलन का समापन करेंगे। मंत्रालय के मुताबिक केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन 2025 में संचारः उभरती प्रौद्योगिकियां विषय पर एक चर्चा सत्र की अध्यक्षता करेंगे। विशेष लंच सत्रों में संचार- उभरती हुई प्रौद्योगिकियां पर आयोजित एक अग्रगामी सत्र शामिल होगा, जिसमें एआई और डिजिटल बुनियादी ढांचे के प्रमुख विशेषज्ञ शामिल होंगे। केईसी 2025 का आयोजन 3-5 अक्टूबर तक नई दिल्ली के ताज पैलेस में किया जाएगा।

सम्मेलन का समापन वैश्विक समष्टि आर्थिक विवेक पर एक उच्चस्तरीय पूर्ण बैठक के साथ होगा, जिसकी अध्यक्षता प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. पीके मिश्रा करेंगे, जिसमें वरिष्ठ नीति निर्माता और अर्थशास्त्री विश्व अर्थव्यवस्था की स्थिति और वित्तीय प्रशासन में आवश्यक सुधारों का मूल्यांकन करने के लिए एक साथ आएंगे।

विश्व खाद्य भारत शिखर सम्मेलनः पहले दो दिनों में 1 लाख करोड़ रुपये के समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को वैश्विक और घरेलू निवेशकों से मजबूत समर्थन मिला है। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय की ओर से आयोजित विश्व खाद्य भारत 2025 शिखर सम्मेलन में पहले और दूसरे दिन के अंत तक हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापनों (एमओयू) का कुल मूल्य एक लाख करोड़ रुपेय के निवेश को पार कर गया है। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि 'विश्व खाद्य भारत 2025' शिखर सम्मेलन के पहले दो दिनों में 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश की प्रतिबद्धता जताई गई है, जिसमें अकेले शुक्रवार को 21 कंपनियों ने 25,000 करोड़ रुपये से अधिक के समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। भारत मंडपम में आयोजित इस कार्यक्रम में खाद्य प्रसंस्करण और संबद्ध क्षेत्रों के हितधारकों के साथ 25 से अधिक ज्ञान सत्र आयोजित किए गए। कार्यक्रम का उद्देश?य संवाद स्थिरता, प्रौद्योगिकी, निवेश के अवसरों और अंतरराष?ट्रीय साझेदारियों पर केंद्रित रहे, ताकि भारत को भविष्य की वैश्विक खाद्य टोकरी के रूप में स्थापित किया जा सके। सम्मेलन के दूसरे दिन उत्तर प्रदेश, गुजरात, पंजाब, झारखंड और बिहार जैसे साझेदार और फोकस राज्यों के साथ गी न्यूज़ीलैंड, वियतनाम, जापान और रूस जैसे अंतरराष्ट्रीय साझेदारों द्वारा सत्रों का आयोजन किया गया। इसके अलावा कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, आयुष मंत्रालय, एपीडा और विश्व बैंक ने भी क्षेत्रीय चर्चाओं का आयोजन किया।

मंत्रालय ने कहा कि इसके समानांतर दो वैश्विक कार्यक्रम- एफएसएसएआई द्वारा आयोजित तीसरा वैश्विक खाद्य नियामक शिखर सम्मेलन और भारतीय समुद्री खाद्य निर्यातक संघ द्वारा आयोजित 24वां भारत अंतरराष?ट्रीय समुद्री खाद्य शो (आईआईएसएस)-वर्ल्ड फूड इंडिया 2025 के साथ-साथ चल रहे हैं। एफएसएसएआई शिखर सम्मेलन का उद्देश्य खाद्य सुरक्षा मानकों में सामंजस्य स्थापित करना और नियामक सहयोग को बढ़ाना है, जबकि आईआईएसएस भारत की समुद्री खाद्य निर्यात क्षमता और वैश्विक बाजार संबंधों को प्रदर्शित कर रहा है। इसके अलावा कृषि और खाद्य प्रसंस्करण में सहयोग को मजबूत करने के लिए रूस और पुर्तगाल के साथ सरकार-दर-सरकार बैठकें भी आयोजित की गईं।

इंडिगो अक्टूबर में कई मझौले और छोटे शहरों के लिए शुरू करेगी उड़ान

एजेंसी

नई दिल्ली। यात्री संख्या के लिहाज से देश की सबसे बड़ी विमान सेवा कंपनी इंडिगो अगले महीने कई मझौले और छोटे शहरों के लिए विमान सेवा शुरू करेगी। एयरलाइंस ने शनिवार को बताया कि वह 26 अक्टूबर से कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु और राजस्थान के जैसलमेर, राजस्थान की राजधानी जयपुर और असम के गुवाहाटी तथा इंफाल और

जयपुर के बीच दैनिक उड़ानें शुरू करेगी। इसके बाद 28 अक्टूबर से वाराणसी से दुर्गापुर और भुवनेश्वर के लिए दैनिक उड़ानें शुरू की जायेगी। इंडिगो बिक्री प्रमुख विनय मल्होत्रा ने कहा, देश के मझौले और छोटे शहरों में घरेलू संपर्क को और बेहतर बनाने की अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप, हमें इन नये मार्गों को शुरू करते हुए खुशी हो रही है। इन नयी उड़ानों के साथ, इंडिगो इन शहरों को अपने विशाल घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क से जोड़ रहा है, जिससे व्यापार, पर्यटन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के नये रास्ते खुल रहे हैं।

लगातार 3 सप्ताह की तेजी के बाद गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, निवेशकों को 15.57 लाख करोड़ की चपत

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेशी निवेशकों द्वारा लगातार की जा रही बिकवाली, अमेरिका द्वारा फार्मास्यूटिकल सेक्टर पर लादे गए नए टैरिफ, रुपये की कमजोरी और कमजोर ग्लोबल संकेतों के कारण इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में तीन सप्ताह से जारी तेजी के सिलसिले पर ब्रेक लग गया। सोमवार से स्टॉक मार्केट के कारोबार में आई गिरावट साप्ताहिक आधार पर पिछले 6 महीने की सबसे बड़ी गिरावट के रूप में दर्ज हुई। खत्म हुए कारोबारी सप्ताह में सेंसेक्स साप्ताहिक आधार पर 2,199.77 अंक यानी 2.66 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 80,426.46 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह निफ्टी ने 672.35 अंक यानी 2.65 प्रतिशत की साप्ताहिक गिरावट के साथ 24,654.70 अंक के स्तर पर पिछले सप्ताह के कारोबार का अंत किया। शेयर बाजार में आई इस जोरदार गिरावट के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 15.5 लाख करोड़ रुपये से भी अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन इस सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार के कारोबार के बाद घट कर 450.75 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन 19 सितंबर को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 466.32 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को 22 से 26 सितंबर के कारोबारी सप्ताह में करीब 15.57 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। पिछले सप्ताह के कारोबार में बीएसई का लार्जकैप इंडेक्स साप्ताहिक आधार पर 3.01 प्रतिशत की गिरावट का शिकार हो गया। इस इंडेक्स में शामिल वारी एनर्जीज, टेक महिंद्रा, इंडियन होटल्स कंपनी, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), डिवीज लेबोरेटरीज, स्विगी और एलटी माइंडट्री के शेयर टॉप लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

सोमवार से शुक्रवार तक के कारोबार के बाद बीएसई का मिडकैप इंडेक्स साप्ताहिक आधार पर 4.5 प्रतिशत टूट गया। इस सप्ताह के कारोबार में मिडकैप इंडेक्स में शामिल कोफोर्ज, हेक्सावेयर टेक्नोलॉजीज, परसिस्टेंट सिस्टम्स, कल्याण ज्वेलर्स इंडिया, एम्फैसिस और लॉरस लैब्स के शेयर 10 से 15 प्रतिशत तक टूट कर इस इंडेक्स के टॉप लूजर्स की सूची में शामिल हुए। लार्जकैप और मिडकैप की तरह ही बीएसई के स्मॉलकैप इंडेक्स ने भी इस सप्ताह गिरावट के साथ अपने कारोबार का अंत किया। सोमवार को खत्म हुए सप्ताह में स्मॉलकैप इंडेक्स 4.2 प्रतिशत की साप्ताहिक कमजोरी के साथ बंद हुआ। इस इंडेक्स में शामिल एमआईसी इलेक्ट्रॉनिक्स, शंकरा बिल्डिंग प्रोडक्ट्स, एसएमएल इसुजु, अपोलो पाइप्स, प्रूडेंट कॉरपोरेट एडवाइजरी सर्विसेज, एसएमएस फार्मास्यूटिकल्स, सिग्निटी टेक्नोलॉजीज, एमको इलेकॉन (इंडिया), आईओएल केमिकल्स एंड फार्मास्यूटिकल्स, विष्णु प्रकाश आर पुंगलिया, सिगाची इंडस्ट्रीज और पार्श्वनाथ डेवलपर्स के शेयरों में साप्ताहिक आधार पर 52 से 77 प्रतिशत तक की जोरदार गिरावट दर्ज की गई। दूसरी ओर, टीवीएस इलेक्ट्रॉनिक्स, आटोमोटिव स्टैंपिंग एंड असेंबलीज, जुआरी इंडस्ट्रीज, ओम इंफ्रा, ऑल कार्गो टर्मिनल्स, इंडो थाई सिक्योरिटीज और आरएसीएल गियर टेक के शेयर 20 से लेकर 30 प्रतिशत तक की साप्ताहिक मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। खत्म हुए कारोबारी सप्ताह के दौरान सभी सेक्टोरल इंडेक्स गिरावट के साथ बंद हुए। पिछले सप्ताह के कारोबार में निफ्टी के आईटी इंडेक्स में सबसे अधिक 8 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। इसी तरह निफ्टी का रियल्टी इंडेक्स पिछले सप्ताह के कारोबार में 6 प्रतिशत टूट गया। वहीं निफ्टी का फार्मास्यूटिकल इंडेक्स 5.2 प्रतिशत की कमजोरी का शिकार हुआ।

लक्ष्य लालवानी और अनन्या पांडे की फिल्म को झटका! सेट से लीक हुईं दोनों की तस्वीरें

बॉलीवुड की मच अवेटेड फिल्म 'चांद मेरा दिल' एक बार फिर सुर्खियों में है. हाल ही में फिल्म की शूटिंग के दौरान कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर लीक हुई हैं, जिनमें लक्ष्य और अनन्या पांडे ट्रडिशनल कपड़ों में नज़र आ रहे हैं. इस फिल्म में अनन्या और लक्ष्य रोमांस करते हुए नजर आने वाले हैं. वहीं फिल्म के सेट से लीक हुई ये तस्वीर इंटरनेट पर खूब वायरल हो रही हैं.एक तस्वीर में लक्ष्य क्रीम कलर का ओवर कोट और मरून कुर्ते में मोटरसाइकिल चलाते दिख रहे हैं. उनके पीछे बैठी अनन्या पांडे मरून साड़ी और ट्रडिशनल आभूषणों में बेहद खूबसूरत लग रही हैं. वहीं, दूसरी क्लोज़-अप तस्वीर में दोनों एक ही फ्रेम में दिखाई देते हैं, जिसने फैंस को उनकी ऑन-स्क्रीन जोड़ी की पहली झलक दिखाई दे रही है.

नवंबर 2024 में हुई थी अनाउंसमेंट

इस फिल्म की अनाउंसमेंट नवंबर 2024 में की गई थी. शुरुआत में इसने काफी चर्चा बटोरी, लेकिन इसके बाद लंबे समय तक कोई अपडेट सामने नहीं आया. अब शूटिंग से आई इन ताज़ा तस्वीरों ने कन्फर्म कर दिया है कि फिल्म पर काम पूरी रफ्तार से चल रहा है. फिल्म का टैगलाइन है , प्यार में थोड़ा पागल होना पड़ता है, जो इस ओर इशारा करता है कि कहानी एक अनोखी और गहरी प्रेमकहानी पर आधारित होगी.

निर्देशन और रिलीज़ की योजना

'चांद मेरा दिल' का डायरेक्शन विवेक सोनी कर रहे हैं. पहले अनुमान लगाया जा रहा था कि फिल्म 2025 में रिलीज़ होगी, लेकिन अब तक इसकी ऑफिशियल रिलीज़ डेट की घोषणा नहीं की गई है. फिल्म को लेकर एक्साइटमेंट का एक बड़ा कारण है, लक्ष्य का करियर ग्राफ. उन्होंने बैड्स ऑफ बॉलीवुड और किल जैसी फिल्मों से अपनी अलग पहचान बनाई है. वहीं इस फिल्म में पहली बार उनकी जोड़ी अनन्या पांडे के साथ दिखाई देगी. दोनों की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री देखने के लिए फैंस पहले से ही बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं.

'इनकम टैक्स ऑफिसर आएंगे और...' 200 करोड़ की एलिमनी की बात पर समांथा रुथ प्रभु ने दिया था ऐसा जवाब

दक्षिण भारतीय सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री समांथा रुथ प्रभु ने अपनी फिल्मों और अदाकारी के साथ ही अपनी पर्सनल लाइफ से भी खूब सुर्खियां बटोरी हैं. वो अपनी डेब्यू फिल्म के एक्टर नागा चैतन्य को ही दिल दे बैठी थीं. दोनों ने एक दूसरे को लंबे समय तक डेट किया था. इसके बाद धूमधाम से शादी रचा ली थी. हालांकि समांथा और नागा का रिश्ता शादी के बाद लंबा नहीं टिक पाया था.नागा चैतन्य और समांथा रुथ प्रभु ने साल 2021 में अपनी 4 साल की शादी तोड़ ली थी. दोनों ने सोशल मीडिया पर अपनी राहें अलग करने का ऐलान किया था. तलाक के बाद रिपोर्ट्स आई थीं कि समांथा को 200 करोड़ रुपये की एलिमनी मिली थी और एक्ट्रेस ने ये ऑफर ठुकरा दिया था. एक बातचीत के दौरान समांथा ने 200 करोड़ की एलिमनी की सच्चाई बताई थी.

200 करोड़ की एलिमनी की बात पर भड़क गई थीं एक्ट्रेस

नागा से तलाक लेने के बाद जब समांथा बॉलीवुड के दिग्गज फिल्ममेकर करण जौहर के टॉक शो 'कॉफी विद करण' में पहुंची थीं, तब उनसे करण ने पूछा था, आपने अपने बारे में सबसे वाहियात खबर क्या पढ़ी है ? इस पर समांथा ने 200 करोड़ रुपये की एलिमनी की अफवाह पर बात की थी. उन्होंने करण से कहा था, यही कि मैंने एलिमनी में 200 करोड़ रुपये लिए हैं. मैं रोज सुबह उठती हूं और सोचती हूं कि इनकम टैक्स ऑफिसर आएंगे और देखेंगे कि मेरे पास कुछ नहीं है.

2017 में हुई थी नागा-समांथा की शादी

37 साल की समांथा ने अपना एक्टिंग डेब्यू साल 2009 की तेलुगु फिल्म 'ये माया चेसावे' से किया था. फिल्म में वो नागा के अपोजिट लीड रोल में नजर आई थीं. दोनों की ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री काफी पसंद की गई थी. वहीं रियल लाइफ में भी दोनों को एक दूसरे से प्यार हो गया था. कपल ने करीब 6-7 साल की डेटिंग के बाद 2017 में गोवा में हिंदू वेडिंग की थी. बताया जाता है कि इस शादी पर करीब 10 करोड़ रुपये खर्च हुए थे. इसके बाद दोनों ने ईसाई रीति रिवाजों से भी शादी की थी. लेकिन, फिर उनका तलाक हो गया था. इसके बाद नागा ने दूसरी शादी एक्ट्रेस शोभिता धुलिपाला से की. वहीं समांथा ने अब तक दूसरी शादी नहीं की है.

पठान के दुश्मन की नई फिल्म, 100 करोड़ी एक्ट्रेस का मिला साथ, अब होगा ताबड़तोड़ एक्शन!

जॉन अब्राहम 'फोर्स' फ्रैंचाइज़ी की तीसरी फिल्म के साथ बड़े पर्दे पर वापसी के लिए पूरी तरह तैयार हैं. खबरों के मुताबिक, वह 'फोर्स 3' में लीड भूमिका निभाएंगे और इसमें उनके साथ लकी भास्कर स्टार मीनाक्षी चौधरी भी होंगी. फिल्म की शूटिंग नवंबर में शुरू होने की खबर है. जॉन अब्राहम की इस फ्रेंचाइजी के पिछले दोनों पार्ट्स को अच्छा रिस्पॉन्स मिला है. जॉन की फिल्म को लेकर फैन्स काफी एक्साइटेड हैं.मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मीनाक्षी चौधरी, जो 'गोट', 'गुंटूर करम', 'हिट 2', 'लकी बसखार' और 'संक्रांति वस्तुनम' में अपने अभिनय के लिए जानी जाती हैं, 'फोर्स 3' से बॉलीवुड में डेब्यू करेंगी. रिपोर्ट के अनुसार कई एक्ट्रेसेस के ऑडिशन के बाद, जॉन अब्राहम और भाव धूलिया ने मीनाक्षी चौधरी को लीड रोल के लिए फाइनल करने का फैसला किया है.

मीनाक्षी को लेनी होगी स्पेशल ट्रेनिंग

जॉन की तरह, मीनाक्षी की भी एक एक्शन बेस्ड भूमिका होगी और इस किरदार की तैयारी के लिए उन्हें अगले कुछ महीनों में स्पेशल ट्रेनिंग से गुजरना होगा. प्री-प्रोडक्शन का काम तेज़ी से चल रहा है. रोहित शेट्टी के डायरेक्शन में बन रही राकेश मारिया की बायोपिक की शूटिंग पूरी होते ही जॉन अपना ध्यान 'फोर्स 3' पर लगाएंगे. यह प्रोजेक्ट अक्टूबर के अंत तक पूरा होने की उम्मीद है, जिससे 'फोर्स 3' साल 2026 की पहली छमाही में रिलीज़ हो सकेगी.

फोर्स फ्रेंचाइजी को मिला अच्छा रिस्पॉन्स

2011 में दिवंगत निशिकांत कामत ने फोर्स का डायरेक्शन किया और जॉन अब्राहम को एक बेहतरीन अवतार में पेश किया. साल 2016 में अभिनय देव द्वारा निर्देशित अगली फिल्म फोर्स 2 ने तहलका मचा दिया और सोनाक्षी सिन्हा और ताहिर राज भसीन को बिल्कुल अलग अंदाज़ में दिखाया. फोर्स फ्रेंचाइज़ी के दूसरे चैप्टर ने कहानी को आगे बढ़ाया और खुद को एक मर्दाना नायक के विचार पर बेस्ड पहली सीरीज़ के रूप में पेश किया.

Stree 3 से पहले आएगी 'छोटी स्त्री', हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स की पहली एनिमेशन फिल्म पर लगा कंफर्म का ठप्पा

बीते दिन मैडॉक हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स (स्र्ाष्ट) ने अपनी अपकमिंग फिल्म थामा का ट्रेलर लॉन्च किया. इसी दौरान उन्होंने अपनी पहली एनिमेशन फिल्म का भी ऐलान किया. स्त्री 3 की रिलीज से पहले मेकर्स सिनेमाघरों में छोटी स्त्री को रिलीज करने वाले हैं.

मैडॉक हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स (MHCU) आने वाले सालों में कई फिल्में रिलीज करने के लिए तैयार है. इस यूनिवर्स की अगली फिल्म थम्मा है, जिसका ट्रेलर 26 सितंबर को लॉन्च कर दिया गया है. इस फिल्म में आयुष्मान खुराना और रश्मिका मंदाना लीड रोल में नजर आएंगे. इसकी कहानी बेताल की कहानी पर बेस्ड होगी. प्रेस कॉन्फ्रेंस में, टीम ने एक खास प्रोजेक्ट की अनाउंसमेंट की, जो रू।ष्ट का पहले से ही प्लान किया प्रोजेक्ट है.स्त्री फिल्मों की स्टार श्रद्धा कपूर, थम्मा की टीम की इस अनाउंसमेंट में शामिल हुईं. उन्होंने बताया कि स्त्री 3 से पहले, सिनेमाघरों में छोटी स्त्री नाम की एक एनीमेशन फिल्म रिलीज़ होगी. एक्ट्रेस ने बताया कि यह बच्चों और परिवारों के लिए होगी और स्त्री 3 की शुरुआत करेगी, जिसमें एनीमेशन और लाइव-एक्शन का मिश्रण होगा.

'स्त्री 3' से पहले आएगी 'छोटी स्त्री'

छोटी स्त्री में भी लीड किरदार श्रद्धा कपूर निभाती हुई नजर आएंगी. इससे पहले भी स्त्री और स्त्री 2 में श्रद्धा लीड रोल में दिखाई दी हैं. श्रद्धा ने बताया, यह मेरा पसंदीदा हिस्सा है. मैडॉक हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स एक एनिमेटेड फिल्म छोटी स्त्री लेकर आ रहा है जो सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी. यह बच्चों और परिवारों के लिए है. दर्शकों के लिए यह एक रोमांचक समय है. मेकर्स ने अभी तक छोटी स्त्री की कास्ट का खुलासा नहीं किया है.

हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स की आने वाली फिल्में

प्रोड्यूसर दिनेश विजान ने छोटी स्त्री के बारे में बताया, इसका अंत स्त्री 3 के एक सीन के साथ होगा. यह एनिमेशन से लाइव एक्शन में बदल जाएगा और यह बताएगा कि इसकी बैकस्टोरी क्या रही है. आपको ज़्यादा इंतज़ार नहीं करना पड़ेगा. यह स्त्री 3 से 6 महीने पहले रिलीज़ होगी. स्त्री 3 ऑफिशियल तौर पर 13 अगस्त, 2027 को रिलीज़ के लिए तैयार है. उम्मीद है कि छोटी स्त्री 2026 के अंत या 2027 की शुरुआत में रिलीज़ होगी. रू।ष्ट में कुछ नए और लौटने वाले टाइटल हैं स्त्री 3, महामुंज्य, शक्ति शालिनी, चामुंडा, पहला महायुद्ध और दूसरा महायुद्ध. इस बीच, थम्मा 21 अक्टूबर को दिवाली के मौके पर रिलीज होगी.

चंदर विहार में भाजपा कार्यालय का भव्य उद्घाटन, विधायक गजेंद्र दराल ने किया उद्घाटन

शिवानी कौर बमराह

दिव्य दिल्ली। दिल्ली के मुण्डका विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले चंदर विहार में भाजपा कार्यालय का भव्य उद्घाटन किया गया। इस कार्यालय का शुभारंभ मुण्डका विधानसभा के विधायक गजेंद्र दराल ने रिबन काटकर किया। नए कार्यालय के संचालन की जिम्मेदारी भाजपा के सक्रिय कार्यकर्ता और निलोठी क्षेत्र से उपाध्यक्ष रोहित दलाल को सौंपी गई है। उद्घाटन समारोह में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकताओं के साथ-साथ स्थानीय निवासी भी मौजूद रहे। सभी ने विधायक गजेंद्र दराल का स्वागत किया। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि यह कार्यालय जनता और कार्यकर्ताओं के बीच एक सेतु का काम करेगा। यहाँ चंदर विहार क्षेत्र के विकास कार्यों की रूपरेखा पर चर्चा की जाएगी और साथ ही आम जनता की

समस्याओं का समय पर समाधान भी सुनिश्चित किया जाएगा। भाजपा कार्यकर्ताओं का मानना है कि इस कार्यालय से संगठन की पकड़ और भी मजबूत होगी

और जनता की भागीदारी और सक्रियता में इजाफा होगा। उद्घाटन के बाद कार्यकर्ताओं ने विधायक के साथ मिलकर क्षेत्र की तरक्की के संकल्प दोहराए।

दिल्ली के चंदर विहार से महिला लापता, परिजनों ने लगाया अपहरण का आरोप

शिवानी कौर बमराह

दिव्य दिल्ली। दिल्ली के चंदर विहार इलाके से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। स्थानीय निवासी सतनाम सिंह का आरोप है कि उनकी पत्नी परमजीत कौर 31 मई 2025 की शाम को गुरुद्वारे जाने के लिए घर से निकली थीं, लेकिन वह वहां पहुंचीं ही नहीं। सतनाम सिंह का कहना है कि रास्ते से ही पंजाब के रहने वाले एक व्यक्ति इंद्रपाल सिंह बैन्स ने उनकी पत्नी का अपहरण कर लिया। इस घटना के बाद से परमजीत कौर का कोई सुराग नहीं मिला है। सतनाम सिंह का आरोप है कि जब उन्होंने अपनी पत्नी से संपर्क करने की कोशिश की तो इंद्रपाल सिंह बैंस ने उन्हें भी जान से मारने की धमकी दी। परिजनों का दावा है कि घटना के कुछ समय बाद उनकी बेटी की स्कूल टीचर के फोन पर परमजीत कौर का कॉल आया, जिसमें उन्होंने रोते हुए कहा झ ह्लमैं खतरे में हूं, मुझे यहां से बचा लो।ह्व इसके बाद से उनका मोबाइल भी बंद है और परिवार उनसे संपर्क नहीं कर पा रहा। सतनाम सिंह का कहना है कि उनकी दो छोटी बेटियां हैं और वह पत्नी को ढूंढने के लिए लगातार गुहार लगा रहे हैं। उनका आरोप है कि मामले की गंभीरता के बावजूद स्थानीय पुलिस कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर रही। इसी कारण उन्होंने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है और न्याय की मांग की है।

संघ की स्थापना किसी के विरोध को नहीं बल्कि समाज को सामर्थ्यवान बनाने के लिए हुई : नरेन्द्र ठाकुर

गोरखपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सह प्रचार प्रमुख नरेंद्र ठाकुर शनिवार को रामगढ़ताल स्थित योगिराज गम्भीरनाथ प्रेक्षागृह में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर प्रकाशित साप्ताहिक पत्रिका ध्येय मार्ग के विशेषांक "राष्ट्र साधना के सौ वर्ष" का लोकार्पण किया।। उन्होंने संबोधित करते हुए कहा कि विश्व संवाद केन्द्र, गोरखपुर द्वारा प्रकाशित 'राष्ट्र साधना के सौ वर्ष' के विमोचन के अवसर पर हम यहाँ एकत्रित हुए हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष की इस यात्रा के विभिन्न कार्यक्रमों की श्रृंखला प्रारम्भ हो चुकी है, उसी कड़ी में यह भी है। विजयादशमी 1925 को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रारंभ हुआ और 2025 में संघ अपने 100 वर्ष पूर्ण करने जा रहा है। संघ की स्थापना किसी के विरोध के लिए नहीं बल्कि अपने समाज को सामर्थ्यवान बनाने के लिए की गई। संपूर्ण हिंदू समाज का संगठन करना है इस लक्ष्य के साथ डॉ हेडगेवार ने संघ की स्थापना की।

उन्होंने कहा कि डॉ हेडगेवार का जीवन देशभक्ति से ओत प्रोत था। अनुशीलन समिति के सदस्य थे। राजद्रोह का अभियोग लगाकर एक वर्ष की सजा दी गई पर वो विचलित नहीं हुए। हिंदू समाज को जगाना आवश्यक है यह सोचकर पंद्रह वर्षों के अंदर पूरे देश में उन्होंने संघ खड़ा कर दिया। कुछ लोगों को संघ से खतरा लगने लगा। 1948 में संघ पर प्रतिबंध लगा दिया गया। संघ के कार्यों को देखते हुए कुछ शर्तों के साथ 1949 में संघ से प्रतिबंध हटा।

आगे उन्होंने कहा कि हरेक स्थान का अपना-अपना एक विशेष प्रसंग है। हर स्थान की अपनी अलग-अलग चुनौतियां रही हैं। केरल, त्रिपुरा की परिस्थितियां आपने देखी हैं। "समाज संघ जैसा बन जाए तो 'संघ' की आवश्यकता नहीं रहेगी" ऐसा डॉक्टर साहब कहते थे। समाज को साथ में लेकर काम में लग जाएँ। समाज जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने हेतु स्वयंसेवक लग गए। विभिन्न क्षेत्रों में 32 से अधिक संगठनों ने अपनी पहचान बना ली। 'मैं' से 'हम' की ओर ले जाने वाले कार्य और कार्यकर्ता खड़े हुए।

शहीद भगत सिंह की जयंती पर राजधानी में उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की

दिव्य दिल्ली : शहीद भगत सिंह की जयंती पर राजधानी में उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। वरिष्ठ व्यापारी नेता और नेशनल अकाली दल के अध्यक्ष परमजीत सिंह पम्मा ने इस अवसर पर उपस्थित व्यापारियों और समाजसेवियों के साथ श्रद्धांजलि अर्पित की और सरकार से देश की आजादी के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले क्रांतिकारियों को शहीद का दर्जा देने की मांग की। इस अवसर पर व्यापारी नेता दीपक मित्तल, वरिंदर आर्य, सुनील पुरी, तरुण सोनी, शेखर कटारिया, गंगाधर सहित अन्य

वरिष्ठ व्यापारी उपस्थित थे। श्रद्धांजलि के दौरान उपस्थित लोगों ने "इंकलाब जिंदाबाद", "भारत माता की जय" और "क्रांतिकारियों को शहीद का दर्जा दो" जैसे नारे भी लगाए। परमजीत सिंह पम्मा ने भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, राजगुरु और सुखदेव के बलिदान को याद करते हुए कहा कि ऐसे कई क्रांतिकारी हैं जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति दी, लेकिन आज तक उन्हें शहीद का दर्जा नहीं मिला। उन्होंने यह भी कहा कि इस कदम से न केवल उनके परिवार को न्याय मिलेगा बल्कि आने वाली पीढ़ियों को देशभक्ति और बलिदान की प्रेरणा भी मिलेगी। पम्मा ने सरकार से अपील करते हुए कहा कि देश की आजादी में अपनी जान न्योछावर करने वाले सभी क्रांतिकारियों को शहीद का दर्जा दिया जाना चाहिए, जिससे देशभक्ति की भावना बढ़े और लोगों में एकजुटता कायम रहे।

सिर्फ भजन- कीर्तन की रस्म अदायगी में निपटा विश्व पर्यटन दिवस

कन्नौज। सरकार के निर्देश पर शनिवार को जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट परिसर में विश्व पर्यटन दिवस मनाया गया। देशी इत्र के लिए विश्व भर में विख्यात और पौराणिक कथाओं के केंद्र बिंदु कन्नौज में "पुरातन" और "प्रतिभा" की घोर अनदेखी करते हुए कार्यक्रम के नाम पर सिर्फ रस्म अदायगी हुई। इस बात का चिंतनीय नजारा एक बार फिर इस "कलमकार" ने खुद देखा। महज आधे घंटे के अल्प समय में समेटे गए "विश्व पर्यटन दिवस" के कार्यक्रम हेतु आयोजक को कोई बड़ी व्यवस्था भी नहीं करनी पड़ी, क्योंकि जिले के "सूचना विभाग" ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75 वें जन्म दिवस के उपलक्ष्य में भारत सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं की 15 दिवसीय प्रदर्शनी हेतु पांडाल पहले से लगा रखा है। कलेक्ट्रेट परिसर स्थित एनआईसी के किनारे सूचना विभाग के प्रदर्शनी पांडाल में ही "विश्व पर्यटन दिवस" की औपचारिकता पूरी की गई।

चूंकि शासन की मंशा के अनुरूप शनिवार को जिले के किसी एक पुलिस थाने पर "समाधान दिवस" का आयोजन निश्चित है। जिसमें जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक की संयुक्त मौजूदगी आवश्यक होती है। ऐसे में माना जा सकता है कि शासन के अल्प कालीन निर्देश पर आयोजित किए गए कार्यक्रम की विधिवत व्यवस्था नहीं हो सकी।

जिला सूचना कार्यालय द्वारा दी गई सूचना के अनुसार 11: 45 बजे विश्व पर्यटन दिवस मनाए जाने के लिए जिले के संवाददाताओं को आमंत्रित किया गया था ! जिला पर्यटन अधिकारी डॉ. मकबूल द्वारा संयोजित कार्यक्रम में जिला सूचना अधिकारी आलोक कुमार एवं राजकीय पुरातत्व संग्रहालय के वीथिका सहायक डॉ पवन तिवारी ने भरपूर योगदान किया। कार्यक्रम को सम्पन्न कराने के लिए यूपी पर्यटन निगम के पटल पर प्रदर्शित जिले के एकमात्र प्रमुख पर्यटन स्थल "लाख बहोसी पक्षी बिहार" के लोक गायकों की छः सदस्यीय टोली ने कार्यक्रम स्थल पर पहुंच कर "भजन-कीर्तन" के जरिए आयोजन को पूर्णता प्रदान की !थाना समाधान दिवस छिबरामऊ में प्रतिभाग करने के लिए रवाना होने से पूर्व ठीक 12 बजे जिलाधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री, अपर जिलाधिकारी (वि / राजस्व)आशीष कुमार सिंह, उप जिलाधिकारी न्यायिक सदर अविनाश कुमार गौतम के साथ कार्यक्रम स्थल पहुंचे। इसके तत्काल बाद पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार भी कार्यक्रम में शामिल हुए। करीब एक दर्जन स्कूली बच्चों और आधा दर्जन पत्रकारों के बीच लोक गायकों की टोली ने एक भजन और एक कीर्तन प्रस्तुत किया ! समयाभाव के कारण मात्र 5 मिनट में प्रदर्शनी का अवलोकन करके जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक लोक गायकों को सम्मानित करने के बाद अगले गंतव्य को विदा हो गए।

विश्व पर्यटन दिवस मनाने की शुरूआत सन 1980 में हुई थी। प्रतिवर्ष 27 सितंबर को मनाएं जाने वाले विश्व पर्यटन दिवस को इस साल 45 साल पूरे हो गए है। संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन (यूएनडब्लूटीओ) द्वारा विश्व भर में पर्यटन के साथ सांस्कृतिक, राजनैतिक एवं आर्थिक महत्व को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इसकी शुरूआत की गई थी किंतु चिंता का विषय ये है कन्नौज में इस बार का ये कार्यक्रम महज रस्म अदायगी में ही सिमट गया।

फर्जी निकली जानलेवा हमले की कहानी, खुद बम से कराया हमला

प्रयागराज। उत्तर के प्रयागराज जिले में स्थित एयरपोर्ट थाना क्षेत्र में दो दिन पूर्व बम से हमले की कहानी फर्जी निकली। पुलिस की जांच में खुलासा हुआ कि वादी ने अपने दुश्मन को फंसाने के लिए खुद अपने बेटे से हमला कराया। यह जानकारी शनिवार को अपर पुलिस उपायुक्त नगर पुष्कर वर्मा ने दी। उन्होंने बताया कि एयरपोर्ट थाना क्षेत्र के रहने वाले गुड्डू पाल के खिलाफ तेल चोरी का मुकदमा धूमनगंज थाना में दर्ज है।दो दिन पूर्व एयरपोर्ट थाना क्षेत्र में हुई बमबाजी के मामले गुड्डू पाल की तहरीर पर मुकदमा दर्ज करके जांच की जा रही थी। पुलिस टीम ने सीसीटीवी कैमरे एवं अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के माध्यम से हुई जांच के दौरान मामला फर्जी पाया गया। जांच के दौरान यह जानकारी हुई कि गुड्डू अपने विरोधी को फंसाने के लिए खुद फायरिंग किया और अपने बेटे नितिन और एक अन्य को पैसा देकर बम से हमला कराया। पुलिस टीम ने वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर पिता और पुत्र को गिरफ्तार किया।

ई-रिक्शा पलटने से वृद्ध की मौत

उरई। उत्तर प्रदेश के जालौन में उरई कोतवाली क्षेत्र में रविवार को एक बेकाबू ई-रिक्शा पलटने से बुजुर्ग फकीर मुन्ना शाह (70) की मौत हो गई।

कोतवाली प्रभारी अंजन सिंह ने बताया कि पूछताछ में मृतक के परिजनों ने बताया कि मुन्ना शाह अपने घर से ई-रिक्शा से चुर्खी बाईपास की तरफ जा रहे थे, तभी बघौरा स्थित सिद्ध बाबा के पास ई-रिक्शा पलट गया। हादसे में मुन्ना शाह की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

कोतवाल ने बताया कि हादसे के बाद ई-रिक्शा चालक फरार हो गया। पुलिस सीसीटीवी फुटेज और अन्य सबूतों के आधार पर चालक की पहचान करने की कोशिश कर रही है। घटना में तहरीर के आधार पर विधिक कार्यवाही की जाएगी।

वाराणसी में प्रशासन ने अवैध मकानों को ढहाया, मौके पर लगी पुलिस टीम

वाराणसी। वाराणसी में पुलिस लाइन से कचहरी मार्ग पर जिला प्रशासन ने रविवार को अवैध रूप से बने मकानों को जेसीबी की मदद से ढहाया और उधर से गुजरने वाले वाहनों का रूट बदला गया। प्रशासन ने अवैध मकानों को चिन्हित कर रखा था और एक के बाद एक अवैध निर्माण पर कार्यवाही की गई।

मौके पर कुछ लोगों ने कार्यवाही का विरोध किया। इस बाबत कैंट थाने की पुलिस टीम एवं केंद्रीय सुरक्षा बल के जवानों को तैनात कर दिया गया। कैंट थाने के प्रभारी निरीक्षक के मौके पर माइक से अलाउंस पर लोगों को दूर कराया। इस दौरान कुछ लोगों ने नोटिस दिखाकर थोड़ा समय भी मांगा। जिस पर प्रशासनिक अधिकारियों ने तय समय पर ही कार्रवाई होने की बात रखी।

एक दिन के लिए वाराणसी की एसीपी साइबर क्राइम बनीं रोशनी और रानी

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में महिला शक्ति 5.0 अभियान के तहत शनिवार को अलग नजारा देखने को मिला। दो नन्हीं बच्चियां रोशनी और रानी, जो ग्रूटगार्डियंस से जुड़ी हुई हैं, ने एक दिन के लिए वाराणसी की एसीपी साइबर क्राइम का पदभार संभाला।

पुलिस लाइन स्थित साइबर क्राइम कार्यालय में पहुंचकर दोनों बच्चियों ने

तैनात पुलिसकर्मियों से परिचय प्राप्त किया। जैसे ही नन्हीं अधिकारी दफ्तर से होकर गुजरीं, हर पुलिसकर्मी ने उन्हें सैल्यूट किया। इस दौरान दोनों बच्चियों ने साइबर क्राइम कार्यालय के विभिन्न डेस्कों का निरीक्षण किया और यह जाना कि साइबर अपराधों की जांच और कार्रवाई किस तरह की जाती है। इस दौरान एसीपी साइबर क्राइम विदुष सक्सेना ने बताया कि महिला शक्ति 5.0 के तहत इस पहल का उद्देश्य बच्चियों को नेतृत्व और जिम्मेदारी का अनुभव कराना है। रोशनी और रानी ने पूरे उत्साह और गंभीरता के साथ पदभार संभाला। यह कार्यक्रम न सिर्फ जागरूकता बढ़ाता है बल्कि आने वाली पीढ़ी को प्रेरित भी करता है। यह पहल समाज में महिला सशक्तिकरण और साइबर सुरक्षा की समझ को मजबूत करने की दिशा में एक प्रेरणादायी कदम मानी जा रही है।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की लाश फांसी के फंदे से लटकती मिली।

अमेठी। उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले के मुसाफिरखाना कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत पूरब बेसरा गांव में शनिवार देर रात उस समय सनसनी फैल गई, जब गांव के एक युवक का शव उसके ही घर में फंदे से लटकता हुआ मिला। मृतक की पहचान विकास (22) पुत्र राधेश्याम के रूप में हुई है। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। सूचना

पर पहुंची कोतवाली पुलिस आवश्यक विधिक कार्यवाही में जुट गई। घटना की जानकारी होते ही परिजनों की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर इकट्ठा हो गए। सूचना मिलते ही मुसाफिरखाना कोतवाली पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को फंदे से नीचे उतरवाया। पुलिस ने मौके पर पंचनामा की औपचारिकता पूरी की और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच हर पहलू से की जा रही है। फिलहाल युवक की मौत को लेकर स्पष्ट कारण सामने नहीं आया है।

मुसाफिरखाना कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक विवेक कुमार सिंह ने बताया कि परिजनों की ओर से दी गई सूचना दर्ज कर ली गई है। प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत होता है, लेकिन फिर भी घटना की जांच की जा रही है। पुलिस ने परिजनों और आस-पास के लोगों से पूछताछ भी शुरू कर दी है।

प्रयागराज: घर के अन्दर फंदे से लटका मिला वृद्ध

प्रयागराज। उप्र के प्रयागराज जिले में स्थित खुल्दाबाद थाना क्षेत्र में शनिवार रात एक वृद्ध का शव घर के अन्दर फंदे से लटका पाया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने शव कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। फिर भी मृत्यु का स्पष्ट कारण जानने के लिए पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

अपर पुलिस उपायुक्त नगर पुष्कर वर्मा ने बताया कि खुल्दाबाद थाने को शनिवार रात सूचना मिली कि सुल्तानपुर भावा निवासी मोहम्मद शफी 60 वर्ष पुत्र मोहम्मद वहीद का शव घर के अन्दर फासी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा

मां विंध्यवासिनी के दरबार में भक्ति और सुरक्षा का अनोखा संगम

जयकारों से गूंजा विन्ध्यधाम, षष्टी पर उमड़ी श्रद्धालुओं की अपार भीड़

मीरजापुर । उत्तर प्रदेश के मीरजापुर में शारदीय नवरात्रि के अवसर पर रविवार को षष्टी तिथि पर मां विंध्यवासिनी के दरबार में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। शनिवार देर रात से ही भक्तों का आना-जाना शुरू हो गया था, जो रविवार सुबह मंगला आरती के बाद और भी तेजी से बढ़ गया। मंदिर प्रांगण से लेकर पूरे मार्ग तक जयकारों की गूंज रही।

दर्शन-पूजन के लिए दूरदराज जिलों और पड़ोसी राज्यों से आए श्रद्धालु मां के दरबार में पहुंच रहे हैं। आस्था और भक्ति से सराबोर भीड़ के कारण मंदिर परिसर पूरी तरह खचाखच भर गया।

स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी। अपर पुलिस अधीक्षक, क्षेत्राधिकारी सहित कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी स्वयं मौके पर मौजूद रहे और श्रद्धालुओं को सुगम दर्शन कराने के लिए मोर्चा संभाला। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए बैरिकेडिंग की गई और अतिरिक्त फोर्स तैनात किया गया।

प्रशासन ने आम श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए वीआईपी लाइन को पूरी तरह से बंद कर दिया।अधिकारियों और पुलिसकर्मियों ने स्वयं लाइनों में खड़े होकर श्रद्धालुओं को सुव्यवस्थित तरीके से दर्शन कराने का कार्य किया। मंदिर प्रशासन की ओर से श्रद्धालुओं के लिए पानी, चिकित्सा और अन्य आवश्यक सुविधाओं की भी व्यवस्था की गई है। आस्था और सुरक्षा के बीच रविवार को मां विंध्यवासिनी का दरबार भक्तिमय वातावरण से गूंजता रहा।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at Dinesh Sharma 19, DSIDC Sheds, Scheme 3, Okhla Phase-2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No.- DLHIN/25/A2321